RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:174 ता. 29 दिसम्बर 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चंदा कोचर व 10 अन्य पर टमाटर पेस्ट कंपनी को धोखा देने का मामला दर्ज

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ चंदा कोचर एक बार फिर विवाद के केंद्र में हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में एक नया मामला दर्ज किया गया है, इसमें कोचर और दस अन्य पर टमाटर के पेस्ट में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। कंपनी को 27 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। 2009 का यह मामला हाल ही में तब सुर्खियों में आया, जब 9 दिसंबर को पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जांच शुरू करने का आदेश दिया। इसके बाद, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोपों का हवाला देते हुए 20 दिसंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की।एफआईआर में नामित लोगों में चंदा कोचर, संदीप बख्शी (सीईओ और एमडी आईसीआईसीआई बैंक), विजय जगडे (पूर्व प्रबंधक आईसीआईसीआई बैंक), मुंबई में आईसीआईसीआई बैंक की ग्लोबल ट्रेड सर्विसेज यूनिट के अनाम अधिकारी, (अब पंजाब नेशनल बैंक) के प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें अतुल कुमार गोयल (एमडी एवं सीईओ पंजाब नेशनल बैंक), के.के. बोर्दिया (पूर्व जीएम ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स), अखिला सिन्हा (एजीएम पीएनबी और ओबीसी के तत्कालीन शाखा प्रमुख), मनोज सक्सेना (एजीएम पीएनबी और ओबीसी के तत्कालीन शाखा प्रमुख), और के.के. भाटिया (ओबीसी में पूर्व मुख्य प्रबंधक) शामिल हैं।पी एंड आर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड (टोमेटो मैजिक) के निदेशक शम्मी अहलूवालिया द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर एक विदेशी बैंक से लेटर ऑफ क्रेडिट को असली दस्तावेज के रूप में पेश करने की साजिश रची। टमाटर पेस्ट के निर्यात ऑर्डर के लिए महत्वपूर्ण एलओसी, कथित तौर पर रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड द्वारा जारी किया गया था, लेकिन बाद में पता चला कि यह आरबीएस एलायंस नामक एक स्थानीय रूसी बैंक से जारी किया गया था, जो अपनी संदिग्ध प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है।एफआईआर में कहा गया है, आईसीआईसीआई बैंक ने धोखाधड़ी से रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड द्वारा जारी एलओसी को प्रमाणित किया, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि एलओसी एक स्थानीय रूसी बैंक- आरबीएस एलायंस से था।

पहली बार एमण्लसी बने हैं; राम मंदिर उद्घाटन के लिए उद्धव ठाकरे को क्यों नहीं आया न्योता?

उद्धव खेमे के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि उद्धव ठाकरे को निमंत्रण नहीं दिया गया। इस पर अब एक वजह सामने आई है। इसकी बड़ी वजह अब सामने आई है।

मुंबई। अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन के लिए यूपी सरकार की अगुवाई में मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। 22 जनवरी के दिन मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ मुहूर्त भले ही 84 सेकंड का हो लेकिन, आयोजन सप्ताहभर चलने वाला है। मंदिर ट्रस्ट ने आयोजन के लिए तमाम हस्तियों को निमंत्रण भेजा है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के चीफ शामिल हैं। इस भव्य कार्यक्रम के लिए कई राजनीतिक हस्तियों ने खुद को निमंत्रण नहीं मिलने का आरोप भी लगाया है। शरद पवार के अलावा उद्धव भी उनमें शामिल हैं। इसकी अब एक वजह सामने आई है। एकनाथ शिंदे सरकार में मंत्री गिरीश महाजन ने उस वजह का खुलासा किया है

कि आखिर उद्धव को निमंत्रण क्यों नहीं भेजा गया?

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने राम मंदिर उद्घाटन के लिए उद्धव ठाकरे को निमंत्रण नहीं भेजने के फैसले को सही ठहराया है। उन्होंने कहा है कि अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के लिए राजनीतिक दलों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है है। उद्धव ठाकरे की कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। इसके अलावा, वह पहली बार एमएलसी बने हैं।

पहली बार एमएलसी बने हैं उद्धव

महाजन ने बुधवार को नांदेड़ की अपनी यात्रा के दौरान कहा, केवल उन लोगों को आमंत्रित किया गया है जो राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रमुख हैं। शिव सेना (यूबीटी) न तो राष्ट्रीय राजनीतिक दल है, न ही राज्य स्तरीय दल है। शिवसेना फिलहाल एकनाथ शिंदे के साथ है और जो लोग प्रोटोकॉल के अनुसार राम मंदिर उद्घाटन के लिए निमंत्रण के पात्र हैं और केंद्र की सूची का हिस्सा हैं, केवल उन्हें ही आमंत्रित किया गया है।÷

शिवसेना ने गिराई बाबरी मस्जिद- राउत

उधर, उद्धव ठाकरे को राम मंदिर उद्घाटन के लिए निमंत्रण नहीं मिलने पर संजय राउत भड़के हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि मंदिर उद्घाटन के लिए अगर निमंत्रण नहीं भी मिला, तब भी उद्धव अयोध्या जाएंगे। राउत ने कहा कि जब 1992 में बीजेपी ने दावा किया था कि शिवसेना पर बाबरी मस्जिद गिराई है तब बाला साहेब ठाकरे ने यह जिम्मेदारी ली थी। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का शिवसेना से बहुत जुड़ाव है। शिवसेना के लिए अयोध्या उसकी दूसरी अपनी नगरी है।

गौरतलब है कि महाजन नांदेड़ के संरक्षक मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि यह बमुश्किल मायने रखता है कि पूरे देश में दिवाली की तरह मनाए जाने वाले इस भव्य कार्यक्रम के लिए उद्धव ठाकरे को आमंत्रित किया जाए या नहीं? उन्होंने यहां तक ??कहा कि उद्धव विधानसभा सत्र में भी शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने बाबरी मस्जिद के विध्वंस और राम मंदिर के निर्माण में उद्धव के योगदान पर भी सवाल उठाया।

प्रियंका गांधी की बढ़ेंगी मुश्किलें!

ईडी की चार्जशीट में आया नाम; मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

नई दिल्ली। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी की तरफ से दाखिल आरोपपत्र में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम भी शामिल है। कहा जा रहा है कि यह मामला हरियाणा में हुए एक जमीन के सौदे से जुड़ा हुआ है। हाल ही में ईडी ने दावा किया था कि रॉबर्ट वाड्रा जांच के दायरे में रही लंदन की एक प्रॉपर्टी में रहे थे। रॉबर्ट कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद हैं। खास बात है कि ईडी ने NRI कारोबारी सीसी थंपी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहली बार प्रियंका गांधी का नाम शामिल किया है। इससे पहले ईडी उनके पति रॉबर्ट वाड्रा का नाम भी चार्जशीट में जोड़ा गया था। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट

वाड्रा और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली के रियल ऐस्टेट एजेंट के जरिए हरियाणा में जमीन खरीदी थी। उस एजेंट ने जमीन NRI कारोबारी सीसी थंपी को भी जमीन बेची थी।

क्या है मामला-साथ ही ईडी ने आरोप लगाए हैं कि वाड्रा और थंपी के बीच गहरा रिश्ता है। इसमें दोनों के बीच सामान्य के साथ व्यवसायिक हितों के शामिल होने की बात भी कही गई है। दरअसल, इस मामले के तार भगोड़े संजय भंडारी से भी जुड़े हुए हैं, जो साल 2016 में ब्रिटेन भाग गया था। फिलहाल, ईडी उसके खिलाफ जांच कर रही है। कहा जा रहा है कि इसमें मदद करने वालों में थंपी और ब्रिटेन के नागरिक सुमित चड्ढा का नाम शामिल है।

यूपी बोर्ड 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई अब सेमेस्टर सिस्टम से

खत्म होंगे आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस स्ट्रीम

नई दिल्ली। यूपी बोर्ड 9वीं से 12वीं कक्षा में नए शैक्षणिक सत्र से सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सेमेस्टर व्यवस्था के जरिए छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने की तैयारी है। पूरे सत्र को आठ अलग अलग सेमेस्टर में बांटा जाएगा। साल में अलग अलग सेमेस्टर में विद्यार्थी सिलेबस के अलग अलग हिस्से की परीक्षा देंगे। इससे छात्रों पर विशाल सिलेबस की परीक्षा एक बार में देने का दबाव व तनाव कम होगा। इतना ही नहीं विद्यार्थियों का मूल्यांकन भी कम समय में हो सकेगा। विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को जानेगा और उसे सुधारने का अवसर मिलेगा।

आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस स्ट्रीम खत्म -राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए लाए

गए नेशनल करिकुलर फ्रेमवर्क के तहत अब यूपी का माध्यमिक शिक्षा विभाग नए सत्र से आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस स्ट्रीम खत्म करेगा। अमर उजाला की खबर के मुताबिक अब यूपी बोर्ड में एक ही स्ट्रीम चलेगी। स्ट्रीम के बंधन टूटेंगे। आर्ट्स का स्टूडेंट्स साइंस या कॉमर्स के विषय पढ़ सकेगा। मसलन अगर कोई साइंस साइड का फिजिक्स, केमिस्ट्री पढ़ने वाला विद्यार्थी आर्ट्स साइड के इतिहास व राजनीति विज्ञान जैसे विषय पढ़ना चाहता है, तो उसे ऐसा करने की आजादी होगी। इसी तरह आर्ट्स वाला स्टूडेंट भी फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायो जैसे विषय पढ़ सकेगा। इस तरह से स्टूडेंट्स को अपनी दिलचस्पी वाले विषयों को पढ़ने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं विद्यार्थी स्किल बेस्ड विषय भी पढ़ सकेंगे।

सेमेस्टर एग्जाम का पैटर्न क्या होगा-हर सेमेस्टर की परीक्षा में 50 नंबर के सवाल प्रयोगात्मक होंगे। इनमें से 20 मर्क्स के प्रश्न के उत्तर हल्कशीट पर देने होंगे। 50 नंबर की लिखित परीक्षा होगी। लिखित परीक्षा में प्रश्नों में ऑप्शन दिखाई देंगे।

खबर के मुताबिक लखनऊ मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा, नए साल में इसके लिए कई तरह की योजना बनाई गई है। उच्च शिक्षा की तरह माध्यमिक शिक्षा विभाग में भी सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। मार्कशीट की तरह छात्रों को समग्र व्यक्तित्व मूल्यांकन प्रमाण पत्र दिया जाएगा। खेलकूद में प्रतिभाग, विज्ञान प्रदर्शनी व अन्य तरह के प्रशिक्षण कार्य के प्रमाण पत्र शामिल होंगे।

रामलला की पुरानी मूर्ति का क्या होगा ?

अयोध्या मंदिर के गर्भ गृह में विराजेगी नई प्रतिमा

अयोध्या। रामलला अयोध्या के नए मंदिर में विराजमान होने के लिए तैयार हैं। 22 जनवरी को होने वाली उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच एक और सवाल उत्सुकता बढ़ाने लगा है कि नई मूर्ति मंदिर में पहुंचने के बाद पहली वाली का क्या होगा? कहा जा रहा है कि पहले से मौजूद राम मूर्ति को भी मंदिर में ही जगह दी जाएगी। हालांकि, इसे लेकर मंदिर ट्रस्ट की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। आज तक की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि फिलहाल छोटे मंदिर में रखी गई रामलला की दूसरी मूर्ति की की भी नई मूर्ति के साथ गर्भ गृह में ही प्राण प्रतिष्ठा की जा सकती है। साथ ही कहा जा रहा है कि नई को अचल मर्ति कहा जाएगा। जबकि, पुरानी की पहचान उत्सवमूर्ति के तौर पर होगी। फिलहाल, उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर काम जारी है।

सूर्य स्तंभों से सजाई जा रही सड़क-राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शहर की एक प्रमुख सड़क को सूरज की थीम वाले सूर्य स्तंभों से सजाया जा रहा है। तीस फुट ऊंचे प्रत्येक स्तंभ में एक सजावटी गोला है, जो रात में लाइट जलने पर सूर्य जैसा दिखता है। उत्तर

प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अयोध्या संभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसे 40 स्तंभ धर्म पथ मार्ग पर लगाए जाएंगे, जो नया घाट के पास लता मंगेशकर चौक को अयोध्या बाईपास से जोड़ता है।

मैं मंदिर नहीं जाता, बस तीन जगहों पर मेरी आस्था; अयोध्या जाने के सवाल पर बोले शरद पवार

मुंबई। राम मंदिर उद्घाटन के आयोजन में एनसीपी चीफ शरद पवार को न्योता नहीं मिला है। उन्होंने खुद ही इसकी जानकारी दी। पवार ने कहा कि मुझे अयोध्या के लिए न्योता नहीं मिला है, लेकिन मेरे लिए यह समझना मुश्किल है कि भाजपा इस मामले को राजनीतिक या फिर वित्तीय तौर पर इस्तेमाल कर रही है। राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होने वाला है। इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस चीफ मोहन भागवत समेत कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहेंगी। इस आयोजन में कुल 6000 गेस्ट को बुलाया गया है, जिनमें बड़ी संख्या में संत भी शामिल होंगे। शरद पवार ने कहा कि यह खुशी की बात है कि राम मंदिर बन रहा है, जिसके लिए बहुत से लोगों ने योगदान दिया है। हालांकि उन्होंने

भाजपा इस मामले को राजनीतिक या फिर वित्तीय तौर पर इस्तेमाल कर रही है। राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होने वाला है। इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस चीफ मोहन भागवत समेत कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहेंगी।

यह भी कहा कि मुझे राम मंदिर का न्योता नहीं मिला है, लेकिन मिलता भी तो नहीं जाता। उन्होंने कहा कि आस्था तो निजी मसला है। मैं पूजा स्थलों पर नहीं जाता। मैं आस्था के सिर्फ दो-तीन स्थानों पर ही जाता हूं, लेकिन उसके बारे में सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहूंगा। यह एक निजी मसला है। इस तरह शरद पवार ने साफ कर दिया कि राम मंदिर के उद्घाटन में वह नहीं जाएंगे। भले ही इसके लिए उन्हें न्योता मिले या फिर नहीं। एनसीपी चीफ से पहले बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में जाने से इनकार कर चुकी हैं। वहीं सीपीएम के नेता सीताराम येचुरी भी नहीं जा रहे हैं। कांग्रेस ने भी अब तक साफ नहीं किया है कि उसकी तरफ से किन लोगों को भेजा जाएगा और किन्हें नहीं। बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को भी न्योता नहीं मिला है। इसे लेकर भाजपा नेता गिरीश महाजन ने कहा कि उद्धव पहली बार के एमएलसी हैं, इसलिए उन्हें न्योता नहीं भेजा गया है। यह निमंत्रण पार्टी प्रमुखों को भेजा गया है। बता दें कि शरद पवार कई बार खुद को नास्तिक बता चुके हैं। ऐसे में उन्होंने किन तीन चीजों को अपनी आस्था का केंद्र बताया है, यह अहम है। उन्होंने साफ कहा कि मैं दो-तीन स्थानों पर ही जाता है, जिनमें मेरी आस्था है। लेकिन इस बारे में सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहूंगा। राम मंदिर उद्घाटन में राजनीतिक हस्तियों के अलावा क्रिकेटर, फिल्म स्टार भी रहेंगे। इसके अलावा तीन हजार के करीब संतों को भी आमंत्रित किया गया है।

ठंड और कोहरे के बीच बारिश के आसार, दिल्ली समेत समूचे उत्तर भारत में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में इस समय घुप कोहरा छाया हुआ है। यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल में शीतलहर चल रही है। पहाड़ों में बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। कई जगहों पर विजिबिलिटी भी बहुत कम है। इस वजह से फ्लाइट और ट्रेनों पर भी असर पड़ रहा है। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और यूपी समेत कई उत्तर भारतीय राज्यों में कोहरे की वजह से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने कई राज्यों में बारिश की संभावना भी जताई है।

कोहरे की वजह से ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने कोहरे की वजह से दिल्ली समेत कई उत्तर भारतीय राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आज उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। हालांकि दिल्ली में बारिश के कोई आसार नहीं हैं। राजधानी दिल्ली में आज घुप कोहरे के साथ सुबह की शुरुआत हुई। हालांकि कोहरा बुधवार की तुलना में कम नजर आई लेकिन, तापमान में और गिरावट दर्ज की गई है। विजिबिलिटी 50 मीटर से कम की दर्ज की गई है। बुधवार को भी दिल्ली शहर भर में विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम हो गई थी। इससे सड़क, रेल और हवाई यातायात बाधित

हुआ।

देरी से चल रही ट्रेनें

कोहरे और कम विजिबिलिटी के कारण कई ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ा है। रेलवे ने एक बयान में कहा कि गुरुवार सुबह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों की टाइमिंग चेंज की गई है। इससे सुबह-सुबह रेलवे स्टेशन पहुंचे यात्रियों को दिक्कत हुई। गुरुवार को अकेले दिल्ली से चलने वाली कम से कम 22 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। बुधवार को भी यही हाल था, सुबह 8 बजे तक, 40 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। कुछ को रद्द करना पड़ा। इसमें 12 अंतरराष्ट्रीय और 27 घरेलू उड़ान शामिल हैं।

अगले कुछ दिन कोई राहत नहीं

मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर रविवार तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में सुबह के समय बहुत अधिक घना कोहरा छाया रहेगा। आईएमडी के मुताबिक, इस दौरान विजिबिलिटी 0 से 50 मीटर के बीच रहने का अनुमान है। कोहरे के कारण ठंड की बात की जाए तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान 6-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

इन राज्यों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने 31 जनवरी से 2 जनवरी के बीच उत्तर पश्चिम और मध्य भारतीय हिस्से वाले राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी का कहना है कि राजस्थान के 16 से अधिक शहरों में बारिश के साथ तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। दक्षिण भारतीय राज्यों की बात करें तो आज आंध्रप्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग की वेबसाइट के मुताबिक, 31 दिसंबर से केरल और तमिलनाडु में हल्की बारिश की बौछार संभव है।

ठाणे में एक यहूदी पूजा स्थल में बम रखने की सूचना से मचा हड़कंप

ठाणे। मुंबई से सटे ठाणे में सिविल अस्पताल के सामने सिनगॉग चौक में एक यहूदी पूजा स्थल में बम रखे होने का ईमेल पूजा स्थल के प्रबंधन को मिलने के बाद वहां हड़कंप मच गया। आनन-फानन में वहां पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा. एहतियात के तौर पर ठाणे पुलिस ने इस जगह की ओर जाने वाली सभी सड़कों को यातायात के लिए बंद कर दिया और सभी इलाकों में तलाशी शुरू कर दी. लेकिन गनीमत ये रही कि पुलिस को कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिला. जानकारी के अनुसार ठाणे पुलिस को गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे बजे सूचना मिली. जिसके बाद वहां गहनता से निरीक्षण किया गया. पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े ने कहा कि पूजा स्थल में कोई बम नहीं मिला। यहूदी समुदाय का यह पूजा स्थल है। इस बीच, यह जांच चल रही है कि उक्त मेल कहां से आया। ठाणे पुलिस के उपायुक्त गणेश गावड़े ने कहा कि साइबर सेल इस संबंध में आगे की जांच कर रही है. इस दौरान मौके पर परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया ढाकने, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र क्षीरसागर और रबोडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर खरात मौके पर मौजूद थे.

ईडी की चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा के साथ प्रियंका गांधी का भी हुआ जिक्र

नई दिल्ली । पहली बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम का जिक्र हुआ है। जानकार बता रहे हैं कि अब रॉबर्ट वाड्रा के साथ-साथ प्रियंका गांधी की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सीसी थंपी और सुमित चड्ढा के खिलाफ दर्ज चार्जशीट में प्रियंका के नाम का जिक्र है। जांच में सामने आया है कि रॉबर्ट वाड्रा और थंपी के अलावा प्रियंका गांधी ने भी फरीदाबाद में जमीन खरीदी थी। इससे पहले प्रियंका गांधी विवादों से दूर थीं। संजय भंडारी के करीबी थंपी-वाड्रा फाइनेंशियल तफ्तीश के दौरान हुआ खुलासा। बताया जा रहा है कि प्रियंका और रोबर्ट वाड्रा का नाम हालांकि बतौर आरोपी नहीं है। साल 2005-2006 के बीच फरीदाबाद के अमीपुर गांव में एच एल पाहवा (थंपी के करीबी) प्रोपर्टी डीलर के जरिये रोबर्ट वाड्रा ने करीब 40 ।8 एकड़ जमीन खरीदी थी, जिसे दिसंबर साल 2010 में पाहवा को ही वापस बेच दिया था। इसी तरह प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम पर भी इसी अमीपुर गांव में साल अप्रैल 2006 में खरीदी गई जिसे फरवरी 2010 में पाहवा को ही वापस बेच दिया गया। सूत्रों की मानें तो पाहवा थंपी का बेहद करीबी है, इसी अमीपुर गांव में थंपी को भी जमीन पाहवा ने ही खरीदवाई थी। थंपी-वाड्रा के बीच के फाइनांशियल कनेक्शन की जाँच के दौरान प्रियंका गांधी का नामसामने आया था।

नितीश का फोटो लगाकर जेडीयू ने जारी किया नया पोस्टर

नई दिल्ली । जेडीयू ने दिल्ली में बैठक के दौरान नितीश कुमार का फोटो लगाकर नया पोस्टर जारी किया है। इधर जेडीयू की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए सीएम नीतीश कुमार पटना से दिल्ली रवाना हो गए। इससे पहले उन्होने जदयू की इस बैठक को सामान्य बैठक बताया। वहीं बैठक से पहले ललन सिंह के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की खबर की चर्चा अब तक जारी है। बैठक से पहले दिल्ली के जेडीयू कार्यालय पर नीतीश के नए लुक वाले पोस्टर लगे नजर आए हैं। इन पोस्टर्स में सिर्फ नीतीश कुमार हैं और स्लोगन में लिखा है प्रदेश ने पहचाना अब देश भी पहचानेगा। इस पोस्टर में सिर्फ नीतीश कुमार की फोटो लगी है। ललन सिंह समेत किसी भी पार्टी नेता का फोटो पोस्टर में नहीं है। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर इस बात ती चर्चा तेज हो गई थी। बैठक में कोई बड़ा फैसला लिया जाएगा। इस बात की चर्चा चल रही है कि ललन सिंह का अध्यक्ष पद से इस्तीफा लिया जा सकता है। उनकी राजद सुप्रीमो लालू यादव नजदीकियां बढ़ रही है। जिससे नीतीश कुमार नाराज चल रहे हैं। इन सभी अफवाहों को नीतीश सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने सिरे से खारिज किया। ललन सिंह ने भी खुद इन चर्चाओं को बेबुनियाद बताया है। अब तेजस्वी यादव ने भी इन सभी अफवाहों को बेकार की बातें बताया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हर पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर बैठक होती है। कार्यकारिणी होती है। हम लोगों की पार्टी आरजेडी का भी दिल्ली में खुला अधिवेशन हुआ था। वैसे ही जेडीयू की बैठक हो रही है। ऐसे में लोगों को तूल देना है तो दें, ये सब फालतू की बातें है। और महागठबंधन सरकार की कामयाबी को ढंकने के लिए ऐसी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। दो दिन की खुशी न्यूज चलाने का क्या मतलब है। सीएम नीतीश कुमार ने दिल्ली रवाना होने से पहले जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सामान्य मीटिंग बताया और कहा कि ये हर साल एक बार पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर बैठक होती है।

नाकाम हुआ बड़ा नक्सली हमला, सुरक्षाबलों ने बरामद किया विस्फोटक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने बड़े नक्सली हमले को नाकाम कर दिया है। सरुक्षाबलों ने सड़क पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए दो आईईडी विस्फोटक को बरामद किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने इस साल अब तक राज्य में नक्सलियों द्वारा लगाए गए कम से कम 180 आईईडी को बरामद कर चुके हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा ?कि जब जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और जिला पुलिस के बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) की एक संयुक्त टीम गश्त के लिए निकली थी उसी दौरान पालनार-चेरपाल गांव की सड़क पर सोमवार को 5 किलोग्राम वजन वाले दो आईईडी का पता चला। उन्होंने बताया कि विस्फोटक प्रेशर स्विच से जुड़े हुए थे। बमों को बाद में बीडीएस द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। उन्होंने बताया कि सात जिलों वाले बस्तर संभाग में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान नक्सली अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए विस्फोटक लगाते हैं। बीजापुर में एक अन्य घटना में सोमवार रात पालनार-सावनार गांवों के पास एक जंगल में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने बताया कि हालांकि मुठभेड़ में किसी भी पक्ष को कोई नुकसान नहीं हुआ। गौरतलब है कि अभी हाल ही में सुकमा जिले में सीआरपीएफ 165वीं बटालियन की कंपनी ऑपरेशन पर निकली थी, इसी दौरान उनकी नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई थी, जिसमें सीआरपीएफ सब-इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी शहीद हो गए थे। उनके साथ ही सीआरपीएफ कांस्टेबल रामू को गोली लगी थी, जिसमें वह घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, रविवार की सुबह 7 बजे जगरगुंडा थाना क्षेत्र के बेदरे कैंप से सीआरपीएफ 165वीं बटालियन की कंपनी उसांगल की ओर ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई है जिसमें एक जवान शहीद हो गया।

इस साल भी गणतंत्र दिवस की परेड में नहीं दिखेगी दिल्ली की झांकी

-स्क्रीनिंग कमेटी को नहीं भाया दिल्ली का विकास मॉडल, कर दिया रिजेक्ट

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस पर इस बार भी दिल्ली के विकास मॉडल की झांकी कर्तव्य पथ पर नहीं दिखेगी। रक्षा मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी ने इस साल भी दिल्ली के विकास-मॉडल को नापसंद कर दिया है। यही वजह है कि गणतंत्र दिवस परेड-2024 के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से झांकी के लिए भेजे गए प्रस्ताव को स्क्रीनिंग कमेटी ने रिजेक्ट कर दिया है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी इसकी पुष्टि की है। यह लगातार तीसरा गणतंत्र दिवस होगा, जब दिल्ली की झांकी देश के मुख्य समारोह का हिस्सा नहीं होगी। आखिरी बार 2021 में दिल्ली की झांकी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई थी। उस साल चांदनी चौक (शाहजहांनाबाद) में किए गए री-डिवेलपमेंट थीम पर आधारित झांकी निकाली गई थी। दिल्ली सरकार के सूत्रों के मुताबिक, इस साल 'विकसित भारत' की थीम के तहत दिल्ली सरकार की ओर से जिस झांकी का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया था, उसमें दिल्ली के विकास की नई तस्वीर पेश करने का विचार प्रस्तुत किया गया था। बताया गया ?कि झांकी में दिल्ली के नए सरकारी स्कूलों, अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों के मॉडल को दर्शाया जाने वाला था, जिन्होंने दिल्ली को एक नई पहचान दिलाई है, लेकिन केंद्र सरकार की स्क्रीनिंग कमिटी को यह थीम जंची नहीं और इसीलिए उन्होंने दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया। दिल्ली के साथ ही पंजाब की भी झांकी को रिजेक्ट कर दिया गया है। जिसके बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब और दिल्ली की झांकी रिजेक्ट किए जाने के बाद केंद्र सरकार पर विपक्षी पार्टियों की सरकारों के साथ इस मामले में भेदभाव करने का आरोप भी लगाया है। मान ने कहा कि इस साल भी झांकी के लिए चुने गए राज्यों में से 90 प्रतिशत से अधिक भाजपा के शासन वाले राज्य हैं।

कोहरे से जनजीवन प्रभावित, पश्चिमी विक्षोभ से कोहरे और बारिश की संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी

-वाहन चालकों को फॉग लाइट जलाने और यात्रियों को एयरलाइन, रेलवे और यातायात का शेड्यूल देखने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ से दक्षिण पश्चिम राजस्थान और उत्तरी मध्यप्रदेश में छाये कोहरे से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कोहरे से सड़क, रेल यातायात सहित विमान सेवाएं भी बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। ऐसे में विजिबिलिटी 0 से 25 मीटर तक रह गई है। बुधवार को उत्तर भारत में कोहरे के कहर की वजह से विभिन्न हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई। कोहरे की वजह से रेल और हवाई सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित रही। खराब दृश्यता के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं। स्थिति यह हुई की दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक विजिबिलिटी घटकर 0 और 12.30 बजे तक 200 मीटर तक रह गई। अमृतसर, आगरा और इलाहाबाद एयरपोर्ट पर भी विजिबिलिटी घटकर 0 रह गई थी। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस के साथ मौसम का सबसे ठंडा दिन रहा। यह सामान्य से एक डिग्री अधिक है। अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री और अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री तक रह सकता है। राजधानी के मुंगेशपुर में अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री और जाफरपुर में 12.8 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को सुबह साढ़े पांच बजे पंजाब के पटियाला में विजिबिलिटी 25 मीटर तक है। वहीं, हरियाणा के अंबाला, चंडीगढ़ और दिल्ली के पालम में भी विजिबिलिटी 25 मीटर तक दर्ज की गई। हालांकि, राजधानी के सफदरजंग के साथ ही उत्तर पश्चिमी राजस्थान में गंगानगर और चूरू विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। यूपी के लखनऊ, बरेली, वाराणसी में विजिबिलिटी 25 मीटर, झांसी और बहराइच में 50 मीटर दर्ज की गई। उत्तर मध्य प्रदेश के ग्वालियर में विजिबिलिटी 25 मीटर तो सतना में 50 मीटर दर्ज की गई। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में हवा चलने की वजह से बुधवार के मुकाबले धुंध कम है। कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। इसके अलावा वाहन चालकों को फॉग लाइट जलाकर चलने के साथ ही यात्रा पर निकलने वाले लोगों को एयरलाइन, रेलवे और ट्रांसपोर्ट विभाग का शेड्यूल चेक करने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार 31 दिसंबर तक दिल्ली के अलावा हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में कोहरा छा सकता है। 30 दिसंबर को नॉर्थ वेस्ट इंडिया पर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर दिखेगा। इसकी वजह से निचली सतह पर पूर्वी हवाएं चलना शुरू होंगी। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में 30 दिसंबर से एक जनवरी 2024 तक बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगले दो दिनों तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद भी राहत की संभावना नहीं है। 30 और 31 दिसंबर को कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। धुंध की मोटी सफेद चादर दिखने का कारण हवाओं की गति कम रहना बताया गया है। हवा में नमी का स्तर अधिक है नमी और हवाओं की कमजोर गति के बीच प्रदूषण भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है । इससे कमजोर हवाएं नमी और प्रदूषण को नहीं बहा पा रही हैं

डीएमडीके के संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन

चेन्नई। देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। डीएमडीके (देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम) संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन हो गया है। उन्हे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजयकांत को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डीएमडीके ने एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी।इससे पहले, नवंबर में तबीयत बिगड़ने पर विजयकांत को चेन्नई के एमआईओटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खांसी और गले में दर्द के कारण वह 14 दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रहे। बता दें कि देशभर में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। देश में कोरोना के एक्टिव केस भी अब बढ़कर 4 हजार से ज्यादा हो गए हैं। बीते दिन कोरोना के 529 मामले सामने आए, जिससे सक्रिय मामले अब 4093 हो गए हैं। गोवा में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 के केस सबसे ज्यादा पाए गए हैं, वहीं दिल्ली में भी इस वेरिएंट ने दस्तक दे दी है।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर खरगे ने कहा: पार्टी का उद्देश्य जनकल्याण, जनता की प्रगति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में काम किया है जो संसदीय लोकतंत्र और समानता पर आधारित हो। कांग्रेस का आज 139वां स्थापना दिवस है और इसी के साथ पार्टी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का प्रारंभ नागपुर में विशाल रैली के साथ कर रही है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,'' इंडियन नेशनल कांग्रेस का उद्देश्य जन कल्याण और भारत के लोगों की प्रगति है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विश्वास ऐसे भारत में है जो संसदीय लोकतंत्र पर आधारित हो, जहां समानता हो और भेदभाव के बिना सभी के लिए अवसर हों और जहां संविधान में दर्ज राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों का पालन हो।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' हमें गर्व है कि पिछले 138 वर्ष से हम इस प्रकार के भारत के निर्माण के लिए पूरी ईमानदारी से संघर्ष करते आ रहे हैं। कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक भारतीय को दिल से शुभकामनाएं।'' कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर खरगे ने यहां पार्टी मुख्यालय में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा समेत वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में पार्टी के कार्यकार्ताओं को बधाई दी और कहा कि कांग्रेस जैसे संगठन का हिस्सा होने पर वह गौरवान्वित हैं जिसका आधार सत्य और अहिंसा है और प्रेम, बंधुत्व, सम्मान तथा समानता जिसके स्तंभ हैं और देशभक्ति जिसकी छत है। कांग्रेस अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का प्रारंभ महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 'हैं तैयार हम' रैली के साथ करेगी। पार्टी के नेताओं के अनुसार पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी रैली को संबोधित करेंगे।

लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करेगी टीएमसी : ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी(माकपा) और कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपाविपक्षी दलों के नेताओं पर चोर का ठप्पा लगा रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी व्यवस्था बन गयी है जहां लोकतंत्र का संचालन केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। ममता ने कहा, '' माकपा, भाजपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन बनाया है और सक्रिय रूप से हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) राष्ट्रव्यापी स्तर पर भाजपा का मुकाबला करेगा जबकिपश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी।' मुख्यमंत्री ने उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश मूल के लोगों की बड़ी आबादी तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए नागरिकता के मुद्दे में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,''भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है।

संजय राउत ने राम मंदिर उद्घाटन को बताया बीजेपी का कार्यक्रम

अयोध्या (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य अभिषेक समारोह पूरी तरह से राजनीतिक है और यह कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी की रैली है, इसलिए भगवा पार्टी के कार्यक्रम के बाद शिव सेना (यूबीटी) के सदस्य अयोध्या जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये सब राजनीति है, बीजेपी के कार्यक्रम में कौन जाना चाहता है? यह कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं है। ये बीजेपी का कार्यक्रम है, ये बीजेपी की रैली है। उसमें पवित्रता कहां है? बीजेपी का कार्यक्रम खत्म होने के बाद हम (अयोध्या) जाएंगे। इधर अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह पर भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम सभी इस पल का वर्षों से इंतजार कर रहे थे। राम मंदिर का सपना साकार हो रहा है। मेरा अनुरोध है कि अगर आपको आमंत्रित किया जाए तो आप 22 जनवरी को जरूर जाएं। जो लोग बाद में जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें अयोध्या जाने से पहले सब कुछ शोध कर लेना चाहिए ताकि कोई असुविधा न हो।

बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि उन्हें अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह समझना मुश्किल है कि क्या पार्टी इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कर रही है। बता दें कि राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।

पीएम के चेहरे को लेकर शरद पवार ने कही बड़ी बात, चौंक गया इंडिया गठबंधन

अमरावती (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकजुट हुए इंडिया गठबंधन में मुख्य रुप से दो मुद्दो को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। पहला मुद्दा सीट शेयरिंग को लेकर है और दूसरा पीएम के चेहरे को लेकर। इस पर सहमति बने इसके पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के एक बयान ने सियासी दलों में हलचल मचा दी है। पवार ने 1977 का उदाहरण देते हुए अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि विपक्ष ने 1977 के आम चुनाव में मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया और सभी लोग चुनावी मैदान में उतर गए थे। राकांपा अध्यक्ष के इस बयान को लेकर अब उसके मायने निकाले जा रहे हैं।

यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने भरोसा जताया कि अगले आम चुनाव के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा, ÷1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने बिना प्रधानमंत्री पद का चेहरा पेश किए लड़ा था। चुनाव में विपक्ष की जीत के बाद मोरारजी देसाई को इस पद के लिए चुना गया। पवार ने कहा, 'राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में खराब नतीजों के बावजूद हमें

विश्वास है कि लोग 'इंडिया गठबंधन को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं। अभी तक सीट-बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन सर्वसम्मति बनाने और मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू हो गई है।'

मोरारजी देसाई पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। वह 1977 से 1979 के बीच प्रधानमंत्री रहे और जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व किया था। नागपुर में गुरुवार को कांग्रेस के स्थापना दिवस पर आयोजित हो रही रैली को लेकर पवार ने उम्मीद जताई कि कार्यक्रम के दौरान जो कुछ भी बोला जाएगा, उसका उद्देश्य विपक्षी गठबंधन के लिए अनुकूल आधार तैयार करना होगा। क्या मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी को विपक्षी गुट में शामिल किया जाएगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) पहले से ही गठबंधन का हिस्सा है और ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा जिससे अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी को नुकसान हो।

जब उनसे प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के बारे में पूछा गया, तो पवार ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन की पिछली बैठक के दौरान, उन्होंने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से आंबेडकर से बात करने और उनकी पार्टी से गठबंधन करने की कोशिश करने के लिए कहा था। राकांपा प्रमुख ने कहा, इसके बाद क्या हुआ, यह मुझे नहीं पता।' पवार ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमें यकीन है कि लोकसभा चुनाव के बाद सरकार बदलेगी और फिर हम देखेंगे कि इस दुरुपयोग को कैसे रोका जा सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद से निलंबित सांसद सवाल पूछ रहे थे कि जब लोकसभा की कार्यवाही चल रही थी तो 'घुसपैठिए अंदर कैसे आ गए? पवार ने कहा, 'उनकी मांगें क्या थीं, उन्हें कौन लेकर आया और अगर उनकी मांगें जायज हैं तो उन पर गौर किया जाना चाहिए।'

चार महीने में 41 देशों में फैला कोरोना का वायरस जेएन.1, भारत में भी खतरे का संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना का संकट पूरी दुनिया पर मंडरा रहा है। अब तक 41 देशों में संक्रमण फैला चुका है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में मंगलवार को एक दिन में कोरोना के 412 नए मामले सामने आए हैं जिससे कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4170 हो गई है। इन मामलों में से 69 मामले नए जेएन.1 सब-वैरिएंट के हैं। यह ओमिक्रॉन वैरिएंट के सब-वैरिएंट बीए.2.86 से बना है। 2022 की शुरुआत में बीए.2.86 ही दुनियाभर में कोरोना के मामलों में वृद्धि का कारण बना था।

नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कोविड टास्क फोर्स के को-प्रेसिडेंट राजीव जयदेवन के अनुसार, जेएन.1 वैरिएंट तेजी से फैलने और इम्यूनिटी से बच निकलने में सक्षम है। बता दें कि जेएन.1 सब-वैरिएंट 17 अगस्त 2023 को यूरोप के लग्जमबर्ग में पहली बार सामने आया था। भारत में जेएन.1 सब-वैरिएंट से संक्रमित होने का पहला मामला 8 दिसंबर को केरल में पाया गया था। जेएन.1 वैरिएंट 41 देशों में फैल चुका है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, जेएन.1 सब-वैरिएंट के सबसे अधिक मामले फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, कनाडा, ब्रिटेन और स्वीडन में सबसे अधिक हैं।

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने इसे यूएस में सबसे तेजी से बढ़ने वाला वैरिएंट बताया दिया है। यह इम्यूनिटी को चकमा देकर संक्रमित कर सकता है।

जिस तरह बीए.2.86 के स्पाइक प्रोटीन में अतिरिक्त म्यूटेशन थे, उसी तरह जेएन.1 के स्पाइक प्रोटीन में भी एक अतिरिक्त म्यूटेशन हैं जो इसे और संक्रामक बनाते हैं।मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट और महामारी विशेषज्ञ डॉ. लैंसलॉट पिंटो ने जेएन.1 की पहचान के लिए और अधिक रिसर्च पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, 'यह नया वैरिएंट ओमिक्रॉन के पूर्ववर्ती सब-वैरिएंट बीए.2.86 से काफी मिलता-जुलता है जो केवल एक स्पाइक प्रोटीन में अलग होता है। यही कारण है कि यह संक्रामक हो सकता है और तेजी से फैल सकता है।को-प्रेसिडेंट राजीव जयदेवन ने कहा था, जेएन.1 इम्यूनिटी को चकमा देने वाला और तेजी से फैलने वाला वैरिएंट है जो एक्स बीबी और इस वायरस के दूसरे सभी वैरिएंट्स से अलग है। यह उन लोगों को भी संक्रमित करने में सक्षम है जो पहले संक्रमित हो चुके हैं या जिन्हें पहले भी वैक्सीन लग चुकी है।

जेएन.1 सब-वैरिएंट के बारे में कहा जा रहा है कि यह काफी तेजी से फैलता तो है लेकिन इससे फैलना वाला संक्रमण काफी हल्का है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व साइंटिस्ट और आईसीएमआर की पूर्व डायरेक्टर जनरल डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा था, जेएन.1 कितना गंभीर है, इस बारे में जानकारी के लिए अभी हमारे पास पर्याप्त डेटा नहीं है। हमें चिंता की जरूरत नहीं है लेकिन सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं हम यह भी नहीं कह सकते कि यह निमोनिया या मृत्यु का भी कारण बन सकता है।

सिएटल में फ्रेड हचिंसन कैंसर सेंटर में कोरोनो वायरस वैरिएंट की निगरानी करने वाले जीव विज्ञानी जेसी ब्लूम का कहना है, कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि जेएन.1 सब-

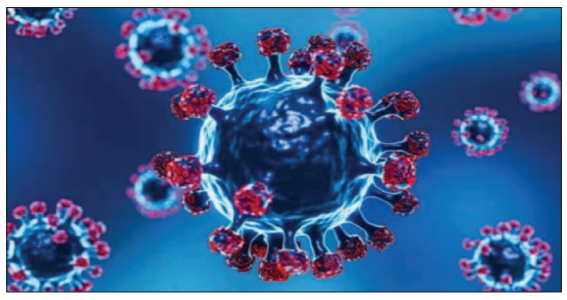

वैरिएंट के कारण संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने के मरीजों की संख्या कितनी होगी। अभी इस पर और रिसर्च की जरूरत है।महाराष्ट्र के जीनोम सेक्वेंसिंग कॉर्डिनेटर डॉ. कार्यकार्ते का कहना है, इस वैरिएंट से जोखिम कम है। जो लोग पहले संक्रमित हो चुके हैं या जिन्होंने वैक्सीन ली हुई है, उन्हें खतरा कम है।जीनोम रिसर्चर विनोद स्कारिया और बानी जॉली ने कहा है, कोविड-19 वायरस लगातार बढ़ रहा है और नई-नई लीनेज बना रहा है। जेएन.1 ओमिक्रॉन का सब-वैरिएंट है जिसके स्पाइक प्रोटीन में एक अतिरिक्त म्यूटेशन है। मजबूत इम्यूनिटी से बचने का मतलब यह होगा कि जेएन.1 अन्य वेरिएंट से कॉम्पिटिशन कर सकता है। लेकिन अभी तक मौजूद जानकारी के मुताबिक, इस वैरिएंट से घबराने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है।

विश्वप्रसिद्ध पर्यटकस्थल एफिल टावर हुआ बंद

- गुस्ताव एफिल की 100वीं पुण्यतिथि पर कर्मचारियों की हड़ताल

पेरिस । फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित दुनिया के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक एफिल टॉवर को बुधवार को बंद कर दिया गया। एफिल टॉवर का संचालन करने वाली संस्थान एसईटीई ने बताया कि कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद इसे बंद कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, हार्ड-लेफ्ट सीजीटी यूनियन ने एक बयान में कहा कि टावर बनाने वाले इंजीनियर गुस्ताव एफिल की मृत्यु की 100वीं वर्षगांठ पर यह हड़ताल की गई। यूनियन ने कहा कि हमारी कुछ मांगे हैं, जिसको लेकर यह हड़ताल हुई है। हालांकि मांगों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि इसके डिजाइनर गुस्?तावे की वर्ष 1923 में 28 दिसंबर अर्थात आज ही के दिन मृत्यु हो गई थी। ऐसे में गुस्?तावे की मौत को 100 साल पूरे हो गए। एफिल टावर के प्रवक्ता के अनुसार, पर्यटक अभी भी टावर के नीचे कांच से घिरे एस्प्लेनेड तक पहुंच सकते हैं, लेकिन 300 मीटर (984 फुट) के ऐतिहासिक स्थल तक पहुंच अगली सूचना तक बंद है। प्रवक्ता ने कहा कि हड़ताल की घोषणा पेरिस शहर के साथ अनुबंध वार्ता से पहले की गई थी। यूनियन प्रतिनिधियों ने अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि यह हड़ताल कितने समय तक चलेगी। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली जगहों में से एक, एफिल टॉवर आम तौर पर साल में 365 दिन खुला रहता है। हालांकि इसमें कभी-कभार हड़तालें देखी जाती हैं। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में एफिल टॉवर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसे खाली कराया गया था। हालांकि यह बम की धमकी सिर्फ अफवाह निकली। बता दें कि इस ऐतिहासिक टॉवर पर निर्माण कार्य जनवरी 1887 में शुरू हुआ था और 31 मार्च, 1889 को समाप्त हुआ था।

पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान हैं बेशुमार दौलत के मालिक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में आगामी 8 फरवरी 2024 को आम चुनाव होने वाले हैं। 15 दिसंबर को पाकिस्तानी चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की है। वहां के चर्चित नेताओं में शुमार इमरान बेशुमार दौलत के मालिक हैं। ये पाक के 22वें प्रधानमंत्री रह चुके हैं। सेलिब्रिटी के नेट वर्थ की जानकारी देने वाली वेबसाइट सीए नॉलेज के मुताबिक इनके पास 410 करोड़ रुपये इंडियन करेंसी की दौलत है। उनके पास इस्लामाबाद के बानी गाला में 37.5 एकड़ में फैली है। 6 हजार 2 सौ 38 करोड़ रुपए की हवेली है। उनके पास लाहौर के पार्क में 241 करोड़ रुपए का एक घर भी है। इसके अलावा कई फार्म हाउस और एग्रीकल्चर लैंड में भी इमरान ने निवेश किया है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि इमरान खान अरबों-खरबों की सम्पत्ति के मालिक हैं। इमरान खान के नाम पर भले ही कोई कार रजिस्टर्ड न हो लेकिन वे अक्सर 3.5 करोड़ रुपये की टोयोटा लैंड क्रूजर और 12.26 करोड़ रुपये की मर्सिडीज मेबैक एस 600 में घूमते हैं। ये कार किनके नाम पर है इसकी जानकारी नहीं है। इमरान खान तोशखाना मामले में जेल में बंद हैं।

टेस्ला फैक्ट्री में रोबोट ने किया इंजीनियर पर हमला

वाशिंगटन । टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क किसी न किसी वजह से मीडिया की सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में एलन और उनकी कंपनी टेस्ला फिर चर्चा में आ गई है। बताया जा रहा है कि टेक्सास में स्थित टेस्ला की फैक्ट्री में कुछ तकनीकी गड़बड़ी होने के बाद रोबोट ने एक इंजीनियर पर हमला कर दिया। रोबोट के इस अटैक से उसके पंजे इंजीनियर की पीठ और बांह में घुस गए, इससे पूरे फर्श पर खून ही खून हो गया और इंजीनियर को काफी चोटें आईं। इस रोबोट को एल्युमीनियम कार के हिस्से पकड़ने के लिए बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जिस वक्त रोबोट ने ये हमला किया उस वक्त वहां दो दूसरे रोबोट के लिए सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग कर रहा था। इस मामले की जानकारी उस वक्त सामने आई थी जब ट्रैविस काउंटी और संघीय रेगुलेटरों को 2021 में रिपोर्ट दी गई थी। इस घटना की टेस्ला की ओर से कोई सूचना संबंधित नियामकों को नहीं दी गई थी। टेस्ला में काम करने वाले कर्मचारियों ने कंपनी पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। बीते साल वर्कर्स डिफेंस प्रोजेक्ट ने टेक्सास के कर्मचारियों की तरफ से यूएस ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन में भी कम्पलेंट की थी। इसमें कर्मचारियों को झूठे सेफ्टी सर्टिफिकेट देने की बात कही गई थी। रोबोट द्वारा इंसान पर हमले का मामला मीडिया में आने के बाद एलन मस्क ने एक ट्विट के जवाब में अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्स पर पोस्ट करते हुए मस्क ने कहा इंडस्ट्री में उपयोग में आने वाले कूका रोबोट आर्म (सभी फैक्ट्रीज में मिलने वाली) से दो साल पहले हुई इस घटना को मीडिया द्वारा उछाला जाना बेहद शर्मनाक है।

टेक्सास में भीषण सड़क हादसाद्दु दो बच्चों सहित भारतीय मूल के 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के टेक्सास में भीषण सड़क हादसे में दो बच्चों सहित भारतीय मूल के एक परिवार के करीब छह लोगों की मौत हो गई। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी (डीपीएस) ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार शाम को उस वक्त हुई जब जॉनसन काउंटी के पास एक वैन और एक ट्रक आमने-सामने से टकरा गए। अधिकारी ने बताया कि वैन में आंध्र प्रदेश के अमलापुरम शहर के एक ही परिवार के सात लोग सवार थे और उसमें केवल लोकेश पोटाबाथुला (43) नामक व्यक्ति की जान बची। वह गंभीर रूप से घायल है। डीपीएस ने वैन चालक की पहचान इरविंग के रुशिल बैरी (28) के रूप में की। उन्होंने अन्य मृतकों की पहचान लोकेश की पत्नी नवीना पोटाबाथुला (36) उनके बच्चे कार्तिक पोटाबाथुला (10) और निशिधा पोटाबाथुला (9) और माता-पिता नागेश्वरराव पोन्नाडा (64), सीतामहालक्ष्मी पोन्नाडा (60) के रूप में की। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि बुजुर्ग व्यक्ति भारत से अपनी बेटी नवीना और नाती-नातिन कार्तिक और निशिधा से मिलने आए थे। भारतीय मिशन के मुताबिक, दंपति एल1 वीजा पर टीसीएस के लिए काम कर रहा था तथा हादसे में मारे गए लोग मुम्मीदीवरम के विधायक पी. वेंकट सतीश कुमार के रिश्तेदार थे। डीपीएस जांचकर्ताओं ने बताया कि ट्रक काउंटी रोड 1119 के पास राजमार्ग 67 पर दक्षिण की ओर जा रहा था, जबकि वैन उसी क्षेत्र में उत्तर की ओर जा रही थी। तभी ट्रक उत्तर की ओर जाने वाली लेन में प्रवेश कर गया और मिनीवैन उससे टकरा गई। डीपीएस ने कहा कि दुर्घटना के वक्त बुजुर्ग दंपति और दोनों बच्चों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी हुई थी। उन्होंने बताया कि ट्रक में सवार 17 वर्षीय दो लड़कों को भी गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें फोर्ट वर्थ के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद राजमार्ग 67 कई घंटों तक बंद रहा, लेकिन बाद में इस यातायात के लिए खोल दिया गया।

यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर की अमरीकी सैन्य सहायता की घोषणा

-वायुरक्षा, तोपखाना, रॉकेट सिस्टम के लिए अतिरिक्त गोला-बारूद की होगी आपूर्ति

वाशिंगटन । डेढ़ साल से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच एक बार फिर अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता की घोषणा की है। हालांकि साथ में व्हाइट हाउस ने चेतावनी भी दी है कि एडिशनल फंड की मंजूरी के बिना यूक्रेन की लड़ाई के लिए अमेरिकी सहायता वर्ष के अंत तक समाप्त हो जाएगी।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका इस साल रूस के साथ युद्ध में कीव की मदद के लिए सहायता के अंतिम पैकेज में यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर तक के हथियार और उपकरण प्रदान करेगा।

ब्लिंकन ने कहा कि नए सहायता पैकेज में वायु रक्षा युद्ध सामग्री, उच्च गतिशीलता तोपखाने रॉकेट सिस्टम के लिए अतिरिक्त गोला-बारूद, तोपखाने गोला-बारूद, एंटी-आर्मर गोला-बारूद और 15 मिलियन से अधिक राउंड गोला-बारूद शामिल विभाग के नियंत्रक माइक मैककॉर्ड ने कांग्रेस को लिखे एक पत्र में कहा, एक बार जब ये धनराशि बाध्य हो जाती है, तो विभाग यूक्रेन को सुरक्षा सहायता के लिए हमारे पास उपलब्ध धनराशि समाप्त कर देगा। यह पैकेज कांग्रेस से अतिरिक्त फंडिंग के बिना यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराने की अमेरिका की क्षमता की सीमा को दर्शाता है।

कांगो में विरोध प्रदर्शन के बीच ही सड़क पर विरोधियों ने टायर जला कर फेंक दिये। इस दौरान हालात पर नियंत्रण का प्रयास करती हुई पुलिस।

पुतिन ने दिया मोदी को रूस आने का निमंत्रण, दोस्ताना संबंधों की दी दुहाई

मास्को। भारत में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को रूस आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा कि वह अपने दोस्तों की हर सफलता की कामना करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और मॉस्को के बीच पारंपरिक दोस्ताना संबंध बने रहेंगे, भले ही राजनीतिक गठबंधन कुछ भी हो। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ बैठक के दौरान लोकसभा चुनावों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि उन्होंने यूक्रेन के घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री से बात की है। पुतिन ने कहा कि कई बार, मैंने उन्हें सलाह दी कि वहां क्या चल रहा हैं और मुझे पता है कि पीएम मोदी अपनी पूरी कोशिश करने को तैयार हैं ताकि मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि भारत-रूस मुद्दों पर लगातार चर्चा करते रहेंगे। पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी य?दि रूस आएंगे तो उन्हें बेहद खुशी होगी। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि मॉस्को यह जानकर बहुत खुश है कि दुनिया भर में चल रही तमाम उथल-पुथल के बावजूद, एशिया में उनके सच्चे दोस्त भारत के साथ संबंध लगातार तरक्की की राह पर हैं। पुतिन ने कहा कि उनके दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर रूस के दौरे पर आएंगे तो उनको बहुत खुशी होगी। इस दौरान दोनों नेता सभी प्रासंगिक, वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने और रूसी और भारतीय संबंधों की संभावनाओं पर बात कर सकेंगे।

भारत की मांग से फंसा पाकिस्तान, प्रत्यर्पण की बात पर साध ली चुप्पी

-क्या हिंदुस्तान लाया जाएगा हाफिज सईद!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान से 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को भारत में प्रत्यर्पित करने और राष्ट्रीय जांच एजेंसियों (एनआईए) द्वारा लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक के खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों में मुकदमे का सामना करने का अनुरोध किया है। यह एक लेटर ऑफ रोगेटरी है जिसका पाकिस्तानी एजेंसियों ने जवाब नहीं दिया है। सूत्रों ने आगे कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की किसी भी संभावना से पहले, इस्लामाबाद को नई दिल्ली के हाफिज सईद के प्रत्यर्पण अनुरोध का पालन करना होगा।

भारत ने 26/11 मुंबई हमलों के मुकदमे का सामना करने के लिए हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की बार-बार मांग की है, लेकिन इस प्रक्रिया में जटिलता रही है क्योंकि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है। पाकिस्तान की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने कहा कि भारत ने लगातार पाकिस्तान से पाकिस्तान में आरोपियों के खिलाफ मुकदमे के शीघ्र और सफल समापन के लिए कहा है। यह बता दिया गया है कि मुंबई आतंकी हमले की साजिश पाकिस्तान में हुई थी और इसलिए, ट्रायल कोर्ट में सभी आवश्यक सबूत पेश करना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हाफिज सईद के एक नए राजनीतिक मोर्चे ने 8 फरवरी, 2024 को होने वाले देश के आम चुनावों के लिए पाकिस्तान भर में अधिकांश राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी हाफिज सईद कई आतंकी वित्त मामलों में कई वर्षों तक दोषी ठहराए जाने के बाद जुलाई 2019 से जेल में है। उन्हें 11 साल की सज़ा सुनाई गई। दिसंबर 2008 में उसी वर्ष 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के बाद उन्हें 'अल-कायदा और आईएसआईएल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समिति' के तहत सूचीबद्ध किया गया था। सिर्फ भारत में ही नहीं, हाफिज सईद को संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में नामित किया गया है। अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है।

दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे नवाज शरीफ, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया नामांकन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के चुनाव निकाय ने 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के नामांकन को स्वीकार कर लिया। इसका मतलब यह है कि 73 वर्षीय नवाज शरीफ की उम्मीदवारी पर कोई आपत्ति नहीं की गई है क्योंकि वह अब लाहौर और खैबर पख्तूनख्वा के मनसाहरा शहर दोनों से चुनाव लड़ेंगे। उनके छोटे भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि फरवरी में आम चुनाव के बाद नवाज शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि नवाज शरीफ (8 फरवरी, 2024) चुनाव के बाद भगवान की इच्छा से चौथी बार पीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान को फिर से आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है।

नवाज शरीफ को 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जिसने उन्हें अपने बेटे के स्वामित्व वाली कंपनी से आय का खुलासा नहीं करने के लिए बेईमान घोषित कर दिया था। एक अदालत ने नवाज़ शरीफ़ के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार के दो दोषसिद्धि को पलट दिया, जो लंदन में चार साल के आत्म-निर्वासन से अक्टूबर में स्वदेश वापस आये थे। उनकी सबसे बड़ी चुनौती अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी, पूर्व क्रिकेट हीरो इमरान खान से अपना समर्थन आधार वापस हासिल करना होगा, जो 2022 में प्रीमियर पद से बाहर होने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप के कारण इमरान खान को चुनाव से अयोग्य घोषित कर दिया गया है, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की है। इससे पहले, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने आरोप लगाया था कि नवाज़ शरीफ 'लंदन योजना' के तहत देश लौटे हैं, जिसके अनुसार सैन्य प्रतिष्ठान उन्हें प्रधानमंत्री बनाएगा।

ईरान के पास है दुनिया का सबसे हाईटेक ड्रोन

तहरान (एजेंसी)। ईरान दुनिया के सबसे उन्नत ड्रोन कार्यक्रमों में से एक का दावा करता है और छोटे और सस्ते लेकिन अत्यधिक प्रभावी यूएवी के उत्पादन में माहिर है। जहां एमक्यू9बी रीपर जैसे पश्चिमी यूएवी की कीमत प्रति ड्रोन 100 मिलियन डॉलर से अधिक है, वहीं शहीद 129 जैसे ईरानी ड्रोन की कीमत केवल 5 से 10 मिलियन डॉलर है। ईरान के पास आत्मघाती ड्रोन के कम से कम 10 अलग-अलग मॉडल हैं। बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह सटीक और रडार से बचने के लिए कम उड़ान भरने वाली, वे मेराज 521 जितनी छोटी हो सकती हैं, जो केवल 3 किलोग्राम विस्फोटक ले जाती है या शहीद 136 की तरह, जो लगभग 45 किलोग्राम विस्फोटक ले जाती है। इनकी रेंज 5 किलोमीटर से लेकर 2,500 किलोमीटर तक है। ईरान के सबसे बड़े आत्मघाती ड्रोन, 260 किलोग्राम विस्फोटकों को 2,000 किमी दूर तक लक्ष्य तक ले जा सकते हैं।फाइटर ड्रोन के एक दर्जन से अधिक मॉडल हैं जो जमीन, समुद्र या हवाई लक्ष्यों पर हमला करने या उनकी टोह लेने में सक्षम हैं।

बड़े फाइटर ड्रोनों में से एक, शहीद 149 दो हजार किमी तक की दूरी पर 500 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। शहीद 123 को सीरिया और इराक में संघर्षों में प्रमुखता मिली, जबकि वह अपनी क्षमता के साथ, यूक्रेन और यमन में इस्तेमाल किया गया है। ये ड्रोन अब दुनिया भर में संघर्षों की प्रमुख विशेषता बन गए हैं। हिजबुल्लाह और हूती जैसे समूहों सहित सहयोगी शक्तियों को ईरान के ड्रोन के निर्यात ने क्षेत्रीय शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित किया है। सीरिया, इराक, अफगानिस्तान और उससे आगे के संघर्षों में सक्रिय भागीदारी ईरानी ड्रोन की वैश्विक पहुंच को दर्शाती है। जब अमेरिकी नौसेना ने 1991 में ऑपरेशन गल्फ स्टॉर्म में इराकी सैन्य लक्ष्यों के खिलाफ 288 टॉमहॉक भूमि-हमला मिसाइलों का इस्तेमाल किया, तो उन्होंने क्रूज मिसाइलों द्वारा सटीक हमलों की प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया। तीन दशक बाद, ईरानी बहुत सस्ते यूएवी के साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

अरब सागर में व्यापारिक जहाज केम प्लूटो पर हालिया हमले, इज़राइल पर हमास, यूक्रेन पर रूस और अदन की खाड़ी में हूती हमलों के बीच क्या समानता है। इनमें से हर मामले में सस्ते मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) या ड्रोन का उपयोग किया गया था, जो सभी ईरान से आए थे। यह बात बिल्कुल अटपटी लगती है कि ईरान जैसा अलग-थलग और भारी प्रतिबंध वाला देश ड्रोन युद्ध के विकास और तैनाती में अग्रणी बनकर उभर सकता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि ईरान ने रणनीतिक रूप से खुद को एक बड़ी ड्रोन महाशक्ति के रूप में स्थापित कर लिया है और अब वैश्विक संघर्ष की गतिशीलता को नया आकार दे रहा है।

बता दें कि 1980 के दशक में इराक युद्ध के दौरान, ईरान ने नवीन टोही समाधानों की आवश्यकता को पहचाना। 1985 तक, अबाबील-1 और मोहजेर-1 जैसे ईरानी ड्रोन पहले से ही इराकी ठिकानों पर जासूसी कर रहे थे। इसके बाद ऑपरेशन प्रेयरिंग मेंटिस आया, जहां अमेरिकी नौसेना ने ईरान की वायु और नौसेना बलों को भारी नुकसान पहुंचाया। ईरानी रणनीतिकारों को अमेरिकी सेनाओं से सीधे जुड़ने की मानवीय और वित्तीय लागत का एहसास हुआ। ईरान ने अपने स्वदेशी ड्रोन कार्यक्रम में भारी निवेश करना शुरू कर दिया। यहां चीन और रूस जैसे देशों के साथ सहयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति हुई।

भारत और रुस की दोस्ती पक्की: अब हथियार निर्माण में भी होगी साझेदार

मॉस्को (एजेंसी)। मॉस्को पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रूस एक मूल्यवान साझेदार है, समय की कसौटी पर परखा हुआ साझेदार है। इधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस आने का न्योता दिया है। जयशंकर ने रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात की। पुतिन ने जयशंकर से कहा, हमें अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी।

पांच दिवसीय रुस की आधिकारिक यात्रा पर यहां आए जयशंकर ने इससे पहले अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। लावरोव के साथ अपनी बातचीत के बाद संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन अगले साल वार्षिक शिखर सम्मेलन में मिलेंगे। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दी और एक निजी संदेश सौंपा। राष्ट्रपति पुतिन को उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मेरी चर्चाओं से अवगत कराया। दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने पर उनके मार्गदर्शन की सराहना की।लावरोव के साथ सार्थक बैठक की और इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्थिति और समसामयिक मुद्दों पर बात की। रूस की पांच दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने लावरोव के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र, यूक्रेन संघर्ष, गाजा की स्थिति, अफगानिस्तान और मध्य एशिया, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, जी20 और संयुक्त राष्ट्र पर भी विचार-विमर्श किया।

उन्होंने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग, ऊर्जा व्यापार, कनेक्टिविटी प्रयासों, सैन्य-तकनीकी सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 2024-28 की अवधि के लिए परामर्श प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। भारत-रूस संबंध भू-राजनीतिक वास्तविकताओं, रणनीतिक भागीदारी और पारस्परिक लाभ को दर्शाते हैं।रूस, भारत और ईरान ने 2000 में उत्तर-दक्षिण मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के निर्माण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें भागीदारों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। परियोजना का लक्ष्य भारत, ईरान और फारस की खाड़ी के देशों से रूसी क्षेत्र के माध्यम से पारगमन माल ढुलाई को यूरोप तक लाना है।लावरोव ने कहा, हमने सैन्य और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इनमें आधुनिक हथियारों का साझा उत्पादन शामिल थी...। जयशंकर ने कहा, हमने साझा निवेश, द्विपक्षीय निवेश संधि पर आगे बढ़ने की जरूरत पर भी बात की। हमने कल रेलवे, इंडस्ट्रियल जोन इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बात की। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जनवरी के मध्य के बाद शुरू हो जाएगी।

लावरोव ने बुधवार को कहा कि मॉस्को मेक इन इंडिया के तहत आधुनिक हथियारों के उत्पादन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस समझता है और, मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सेना के लिए समान बनाने में नई दिल्ली की पहल में साथ देने के लिए तैयार है।

कतर से आई राहत भरी खबर, भारत को मिली बड़ी कामयाबी, नौसेना के 8 पूर्व अफसरों को नहीं होगी फांसी

भारत सरकार ने कहा कि कतर की एक अदालत ने जासूसी के एक कथित मामले में पिछले महीने आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को दी गई मौत की सजा को कम कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि कतर की अपील अदालत ने दहरा ग्लोबल मामले में मौत की सजा कम कर दी है। हालाँकि, यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि अदालत ने क्या कहा, यह कहते हुए कि मामले में विस्तृत निर्णय की प्रतीक्षा है। यह घटनाक्रम कतर की प्रथम दृष्टया अदालत द्वारा नौसेना के दिग्गजों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार द्वारा दायर अपील को स्वीकार करने के कुछ सप्ताह बाद आया है। विशेष रूप से भारतीय अधिकारी अगले कदम पर निर्णय लेने के लिए कानूनी टीम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के साथ निकट संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हमने दहरा ग्लोबल मामले में कतर की अपील अदालत के आज के फैसले पर गौर किया है, जिसमें सजा कम कर दी गई है। विस्तृत फैसले का इंतजार है। कतर में हमारे राजदूत और अन्य अधिकारी परिवार के सदस्यों के साथ आज अपील अदालत में उपस्थित थे। हम मामले की शुरुआत से ही उनके साथ खड़े हैं, और हम सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। हम आगे भी जारी रखेंगे।

निज्जर की हत्या के आरोपियों की कनाडा ने की पहचान, जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। कनाडा ने आरोप लगया था कि निज्जर की हत्या के मामले में भारत का हाथ है। इस पर भारत ने सबूत मांगते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। अब कनाडा पुलिस दावा कर रही है कि उसने आरोपियों की पहचान कर ली है और बहुत जल्द दो लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि दोनों ने मिलकर ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदिग्ध पुलिस निगरानी में हैं और उम्मीद है कि उन्हें कुछ ही हफ्तों में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय मीडिया के मुताबिक तीन अज्ञात स्रोतों के हवाले से कहा कि निज्जर की हत्या के बाद संदिग्ध हत्यारों ने कभी कनाडा नहीं छोड़ा और महीनों से पुलिस की निगरानी में हैं। सूत्रों ने कहा कि आरोप तय होने पर पुलिस कथित हत्यारों और भारत सरकार की संलिप्तता के बारे में स्पष्टीकरण देगी। कनाडा ने भारत पर निज्जर की हत्या में भूमिका होने का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि निज्जर को भारत ने 2020 में आतंकवादी घोषित किया था। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, कनाडा ने अभी तक अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत या जानकारी साझा नहीं की है। जून में ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा का मानना है कि एक भारतीय अधिकारी के कहने पर एक दूसरे खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की साजिश रचने के लिए एक भारतीय नागरिक को अमेरिका द्वारा दोषी ठहराए जाने से उसका मामला मजबूत हुआ है।

संपादकीय

चिन्तनीय दो बात

उम्मीद का इस संसार में गजब तमाशा है । हम देखते है की लोग आशा लगा कर बैठे है ठगे जा रहे है लेकिन फिर भी आशा को लगाकर बैठे है कि आशा कभी भी फलेगी । जीवन के किसी ना किसी मोड़ पर स्वयं को असफल निराशा व हारा महसूस करते हैं तब मन में नकारात्मक विचार आने लगते हैं और हमारी आशाएं बिखर जाती है । सपने कांच की तरह टूट जाते हैं ।उस वक्त जरूरत होती है एक आशा की किरण सकारात्मक सोच की ताकि फिर से नवीन ऊर्जा के साथ कर्म पथ पर अग्रसर हो ।निश्चित ही यह हम पर निर्भर करता है कि जीवन के सफर में सकारात्मक सोच से आगे बढ़े या नकारात्मक सोच से निराशा के गर्त में चले जाएं ।कहा भी है चलते चलते कदम थके, पर नकारात्मक सोच छोड़ कर दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ो फिर से सकारात्मक सोच से नई उम्मीद जगाओ, नई राह बनाओ ।जीवन का यह कड़वा सच है कि आज लोग आपसे हाथ मिला रहे है पास आ रहे है क्यों आ रहे है क्योंकि वे यूँ ही नहीं आ रहे है आपके पास बल्कि वो आपकी स्थिति से आपके पास आ रहे है समय बदला बदली स्तिथियाँ , विकास के साथ ,बदल गई ख़र्चों की परिस्थितियाँ , सुख-सुविधा- संसाधन बढ़े,शौक सुविधावाद और फिर खर्चे भी चढ़े । ख़र्चों की पूर्ति के लिए शुरू हुआ फिर पैसे का सिलिसिला , फलत: इंसान का जन्म हो या फिर मृत्यु -नैतिकता ने हर जगह है दम तोड़ा और-और की लालसा ने भ्रष्ट तरीक़े से आय के लिए अनैतिकता से नाता जोड़ा ।अत: जरुरत हो या नहीं पर पैसे कमाने का साधन बन गया है अनैतिक आचरण और बेवजह मानव इस आपा धापी में जा रहा है ज़रूरत है इस स्थिति से बचने की । इस तरह झूठी आशा और पैसे की आसक्ति सचमुच मानव जीवन के लिये चिन्तनीय बाते है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

आसान नहीं है ट्रम्प की अदालती राह

पुष्परंजन

सिटीजन्स फॉर रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड एथिक्स इन वाशिंगटन (संक्षेप में इसे क्रू बोलते हैं) एक कानूनी वकालत समूह है, जिसका रिमोट कंट्रोल चुनावी रणनीतिकार डेविड ब्रूक के हाथों में है। यह समूह स्वयं को पक्षपात रहित होने का दावा करता रहा है। ये सिटीजन्स फॉर रिस्पॉन्सिबिलिटी के लोग ही थे, जिन्होंने कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के ज़रिये डोनाल्ड ट्रंप को उस राज्य में राष्ट्रपति के रूप में चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करवाया है। ट्रंप के ख़िलाफ़ मुकदमेबाजी में 'सीआरईडब्ल्यू' के रणनीतिकार रेस के घोड़े की तरह आगे-आगे दिखते रहे हैं। लेकिन फॉक्स न्यूज़ ने ख़बर ब्रेक की है कि डेविड ब्रॉक ने 2017 में जो बाइडेन के लिए लॉबिंग की थी। अर्थात , 'क्रू' निष्पक्ष नहीं है। वर्ष 2017 से 2021 के बीच सिटीजन्स फॉर रिस्पॉन्सिबिलिटी के दो प्रमुख दिग्गजों जार्ज सोरेस और डेविड ब्रूक ने 2.85 मिलियन डॉलर का इंतज़ाम जो बाइडेन विक्टरी फंड के लिए किया था। यदि फॉक्स न्यूज़ की ब्रेकिंग स्टोरी सही है, तो मानकर चलिये कि ट्रंप के ख़िलाफ़ कोलोराडो कोर्ट के फैसले में बहुत सारे झोल हैं, और उसे निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के पूर्व काउंसिल जनरल बेथ नोलन, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के वकील के रूप में भी काम किया था, 'क्रू' बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के अध्यक्ष की भूमिका में रहे हैं। संघीय चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, नोलन ने 2020 में जो बाइडेन विजय अभियान के लिए 2,800 डॉलर, और जो बाइडेन विक्टरी फंड के लिए 3,000 डॉलर भेजे थे। नोलन के अलावा, क्रू के उपाध्यक्ष, वेन जॉर्डन ने 2020 में जो बाइडेन विक्ट्री फंड में 300,000 डॉलर का ट्रांसफर कराया था। जॉर्डन ने डेमोक्रेट मेगाडोनर क्लिन डेलाने से शादी की है, जिन्होंने पिछले चुनाव के दौरान जो बाइडेन विजय निधि में 650,000 डॉलर जोड़े थे। कोलोराडो अमेरिका के मध्य-पश्चिम में अवस्थित राज्य है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह अमेरिका का 8वां और जनसंख्या के आधार पर 22वां सबसे बड़ा राज्य है। 20 दिसंबर, 2023 को कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट (इसे हाईकोर्ट समझा जाए) ने डोनाल्ड ट्रंप को अपने राज्य में चुनाव के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट ने उस जिला अदालत के फैसले को पलटा है, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल पर दंगे-फसाद में उपद्रवियों को हमले के लिए उकसाया था, लेकिन उन्हें राष्ट्रपति चुनाव से बाहर नहीं किया जा सकता। ज़िला अदालत ने अपने फैसले में कहा था, 'यह स्पष्ट नहीं है कि कानूनी प्रावधान राष्ट्रपति चुनाव पर लागू होते हैं या नहीं, इसलिए ट्रंप को संदेह का लाभ दिया जा सकता है।' सवाल है, कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के फैसले से क्या ट्रंप अमेरिकी चुनाव से बाहर हो जाएंगे? अधिकारियों का कहना है कि 5 जनवरी, 2024 तक इस मामले पर देश की सर्वोच्च अदालत 'फेडरल सुप्रीम कोर्ट' का फैसला आना जरूरी है, क्योंकि राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्राइमरी बैलट छापने की वह अंतिम तारीख है। कोलोराडो कोर्ट के इस अहम फैसले का मतलब यह होता है कि ट्रंप केवल कोलोराडो राज्य में राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार नहीं हो सकते। कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के आदेश से राज्य के प्राइमरी बैलट से ट्रंप का नाम हटा दिया है। ऐसा पहली बार हुआ कि अमेरिकी संविधान में हुए 14वें संशोधन की धारा 3 के तहत किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार को अयोग्य करार किया गया है। कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट में सात जजों की बेंच में तीन जजों ने इस निर्णय पर असहमति जताई, लेकिन चार के बहुमत से यह अहम फैसला हुआ था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 'अदालत ने बहुमत से यह पाया है कि 14वें संशोधन की धारा 3 के तहत ट्रंप राष्ट्रपति कार्यालय के लिए अयोग्य हैं।' कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के जजों ने टिप्पणी की कि हमें कानून के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी अहसास है। जनता की प्रतिक्रिया से प्रभावित हुए बिना, किसी डर या पक्षपात के बग़ैर हम इस फैसले पर पहुंचे हैं। लेकिन इससे अलग ट्रंप की पार्टी ने अपने ईमेल में कोर्ट के फैसले की आलोचना की है। मेल में इसे 'निरंकुश निर्णय' बताया गया। कोलोराडो कोर्ट का फैसला आने के बाद मंगलवार को ट्रंप ने एक रैली को संबोधित किया था। लेकिन आयोवा प्रांत के वॉटरलू में हुई रैली में उन्होंने फैसले का कोई जिक्र नहीं किया था। एक बात और, 2020 में जब राष्ट्रपति चुनाव हुए थे, तो कोलोराडो में ट्रंप की 13 फीसदी मतों से हार हुई थी। बावजूद इसके, ट्रंप उस राज्य में राष्ट्रपति चुनाव जीत गए थे। इसलिए यह कह सकते हैं कि देश की सर्वोच्च अदालत 2016 का चुनाव लड़ने का आदेश ट्रंप को यदि दे देती है, तो कोलोराडो के मतों की जरूरत शायद उन्हें न पड़े। यों, डोनाल्ड ट्रम्प रिपब्लिकन-झुकाव वाले 52 फीसद स्वतंत्र पंजीकृत मतदाताओं की पहली पसंद हैं। जब इसकी रायशुमारी हुई, रॉन डीसेंटिस को 14 प्रतिशत, निक्की हेली को 11 प्रतिशत, विवेक रामास्वामी को तीन फीसद और क्रिस क्रिस्टी को केवल एक प्रतिशत स्वतंत्र पंजीकृत मतदाताओं ने क्रमवार पसंद किया था। इसलिए ट्रंप पर संघीय सुप्रीम कोर्ट की गाज़ यदि गिरती है, तो रॉन डीसेंटिस और निक्की हेली का नंबर क्रमशः आता है। लेकिन ये दोनों रिपब्लिकन के कमज़ोर प्रत्याशी साबित होंगे। डेमोक्रेट ऐसा ही चाह रहे हैं, ताकि 2024 के चुनाव में अब तक के सबसे बुजुर्ग प्रत्याशी जो बाइडेन दोबारा से ताज हासिल कर लें। वैसे, पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर का एक सर्वे दिलचस्प है, जिसमें पता चला कि हाई स्कूल या उससे कम शिक्षा वाले 66 प्रतिशत रिपब्लिकन मतदाता डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन करते हैं, जबकि हाई स्कूल की डिग्रियों वाले 53 फीसद, चार साल की कॉलेज उच्च डिग्री वाले 37 प्रतिशत और स्नातकोत्तर डिग्री वाले 34 फीसद मतदाता डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन करते हैं। यानी, उच्च शिक्षित लोग ट्रम्प को उतना पसंद नहीं करते। सबके बावजूद, साल 2024 ट्रम्प के लिए सहज नहीं है। ट्रम्प के खिलाफ शुरू होने वाले मुकदमों में वो फैमिली बिजनेस है, जिसमें उनके बेटे धोखाधड़ी के मामले में संलिप्त पाये गये थे। फैमिली बिजनेस वाले गड़बड़झाले में ट्रम्प भी शामिल हैं। ट्रम्प के विरुद्ध 2020 चुनाव हारने के दौरान गुंडई करने, यौन उत्पीड़न और मानहानि का मुकदमा भी है। न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला कि ट्रम्प ने महिला स्तंभकार के साथ अनुचित संबंध बनाए और फिर इससे इनकार किया। वर्ष 2024 के मुकदमे में यह तय होना है कि ट्रंप को लेखिका को बदनाम करने के लिए कितना भुगतान करना होगा। सबके बावजूद ट्रम्प को भारत का एक बड़ा हिस्सा पसंद करता है। उसकी वजह है, हाउडी मोदी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पहाड़ों के संरक्षण से ही थमेगा पर्यावरणीय संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप सम्मेलनों के दौरान शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि एक महत्वपूर्ण मंच से किसी संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हिमालय को केन्द्र में लाकर रख दिया हो। दो दिसम्बर, 2023 में कॉप-28 की दुबई में लगभग शुरुआत में ही एक आयोजन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ऐसा कर दिखाया। उन्होंने चिंता के स्वरों के साथ कहा था कि जोखिम के प्रति संवेदनशील पर्वतीय देश वह संकट झेल रहे हैं जो उनके किये के कारण नहीं है। हिमालयी पर्वत सहायता के लिये चीत्कार कर रहे हैं। कॉप-28 को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हिमालयी ग्लेशियर इतनी तेजी से पिघल रहे हैं कि डर है कि वहां सारे ग्लेशियर खत्म न हो जायें। हिमालयी पहाड़ बर्फ विहीन हो रहे हैं। यदि हम राह नहीं बदलेंगे तो भयंकर त्रासदी ले आयेंगे। ग्लेशियर लुप्तप्राय होने से गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र में पानी कम हो सकता है। इससे 2500 लाख लोगों पर असर पड़ेगा। अक्तूबर, 2023 में नेपाल भ्रमण के अनुभवों का उल्लेख करते हुये महासचिव का कहना था कि नेपाल ने पिछले तीस सालों में एक-तिहाई बर्फ खोने की बात भी कही जिससे वहां स्थानीय समुदायों के जीवन पर असर पड़ा है। निस्संदेह, आज तेजी से गर्म होती पृथ्वी में जैव विविधता के साथ-साथ ग्लेशियर भी हमारा साथ छोड़ते जा रहे हैं। हजारों साल पहले तक ग्लेशियर कई महाद्वीपों के भूभागों में विस्तार लिये थे। ये सिकुड़ते गये व अब विश्व के दस प्रतिशत क्षेत्र में हैं। भारी-भरकम ग्लेशियर लम्बाई-चौड़ाई में सैकड़ों किलोमीटर परिमाप और मोटाई में 70 से 100 मीटर से तीन-चार किलोमीटर तक परिमाप के भी हो सकते हैं। विश्व के जल भंडार सारे वैश्विक ग्लेशियर यदि पिघल जायें तो सागर स्तरों में लगभग 230 फीट की बढ़ोतरी हो जायेगी। ग्लेशियर तो स्वतः भी पिघलेंगे ही। तभी तो विश्व की ऐसी हिमपोषित नदियां अस्तित्व में आती हैं जो कम बरसातों में भी सदानीरा रहती हैं। किन्तु इक्कीसवीं सदी की शुरुआत से ही हिमालयी ग्लशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है। ये हर साल करीब-करीब आधा मीटर की मोटाई खो रहे हैं। इससे नदियों पर, जैव विविधता पर व जलवायु पर असर पड़ रहा है। यदि ग्लेशियर ही न रहेंगे तो उनसे निकली नदियां भी कहां रह पायेंगी। किन्तु ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से भविष्य में जल के संकट व बाढ़ों की संभावनाएं भी गहरा जाती हैं। इनमें खतरनाक ग्लेशियल झीलें भी बन जाती है। जिनके टूटने से तबाहियां आती रही हैं। उत्तराखंड में भी लगभग 486 ग्लेशियल झीलें हैं जिनमें से 13 बेहद जोखिम वाले हैं। दुनियाभर में तीस हजार वर्गमील ग्लेशियर तापमान की वैश्विक समस्या झेल रहे हैं। साल 2018 में बंगलुरु के जलवायु बदलाव पर काम करने वाले एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। वहां सर्दियां भी लगातार गर्म हो रही हैं। अमेरिका की एक एजेंसी तो पूरे हिंदु कुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरों से सालों पहले आगाह कर चुकी थी। हैरानीजनक है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव जैसी चिंताएं सितंबर, 2023 जी-20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन के जलवायु और पर्यावरण से संबंधित घोषणा पत्र में कहीं नहीं उभरीं। हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते तापक्रम से भारी उथल-पुथल से गलते ग्लेशियर व उनसे आती बाढ़ों जैसे संकटों की चिंता हिंदु कुश हिमालयी देश चीन व भारत में तो होनी ही चाहिये थी। कटु यथार्थ तो यह है कि हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्र के देश भारत में 70 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उत्पादन कोयले से हो रहा है और निकट भविष्य में भी होता रहेगा। चीन भी कोयले का और अधिक उपयोग कर रहा है। इन देशों में बिजली उत्पादन, औद्योगीकरण, परिवहन, पर्यटन, तीर्थाटन के नाम पर ग्लेशियर क्षेत्रों तक मानवीय भीड़ व गतिविधियां भी पहुंची हैं। बता दें कि 7 फरवरी, 2021 को चमोली जिले में रैणी व तपोवन क्षेत्र में हुए जल प्रलय का कारण अप्रत्याशित रूप से ग्लेशियर विखंडन व ग्लेशियल झील फटने से जुड़ी दुर्घटना ही थी। केदारनाथ में 2013 की त्रासदी में भी ग्लेशियल लेक बाढ़ बहाव की भूमिका थी। पवित्र चार धाम श्री बदरीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री व श्री यमुनोत्री धाम जो ग्लेशियरों के अंचल क्षेत्र हैं, वहां सीमित समय में हर धाम में लाखों श्रद्धावान पहुंच रहे हैं। हजारों वाहनों की हजारों ट्रिप हो रही हैं। आकाशीय परिवहन भी बढ़ रहा है। यहां सीमेंट-सरिया से निर्माण भी बढ़ा है। श्री बदरीनाथ धाम के पास सतोपंथ ग्लेशियर है। यमुनोत्री ग्लेशियर भी यमुनोत्री से लगभग दस किमी पर है। गंगोत्री ग्लेशियर का गोमुख भी बीते दशक में करीब 300 मीटर पीछे खिसक गया है।

भारत को अपने ग्लशियरों को बचाना चाहिये। ऐसे आर्थिक लोभ की गतिविधियों से भी बचना चाहिये जिससे हिमालयी ग्लेशियरों पर संकट आये। बाहर की भीड़ को वहां ग्लेशियरों पर संकट न पैदा करने दीजिये। इससे प्रदूषक कार्बन गैसें, ग्रीन हाउस गैसें वहां पहुंच रही हैं। इनसे ग्लेशियरों में उष्मीय ऊर्जा भी कैद हो रही है। ग्लेशियर्स की सेहत के लिए बर्फ पर कम से कम गतिविधियां हों। उनके आसपास वेडिंग डेस्टिनेशन और ज्यादा हवाई उड़ानों को न लायें।

विचार मंथन

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा, आगे पाठ पीछे सपाट

(लेखक - सनत जैन)

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन शुरू होने जा रही है। इस यात्रा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी जिनकी लड़ाई लड़ रहे हैं। उस व्यक्ति, समूह तक कांग्रेस संगठन अथवा इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल उस लड़ाई को उन लोगों तक पहुँचाने और जन सामान्य की भागीदारी आंदोलन में सुनिश्चित नहीं करेंगे। तब तक इन यात्राओं का हाल भी आगे पाठ और पीछे सपाट की तरह होगा। निश्चित रूप से भारत जोड़ो यात्रा का बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा था। लेकिन इसकी सबसे बड़ी गड़बड़ी थी कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जिन आम जनों की वह लड़ाई लड़ रहे थे। उन तक वह लड़ाई नहीं पहुंची। भारत जोड़ो यात्रा को बहुत बड़ी सफलता मिली। कुछ समय चर्चा हुई, उसके बाद एक तमाशा बनकर रह गईं। राहुल गांधी अब 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। यदि इस यात्रा को परिणाम तक पहुंचाना है तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल और कांग्रेस संगठन इस लड़ाई को आम जनता तक भय और नफरत की राजनीति के खिलाफ जनता तक पहुंचाना होगा जनता को यह बताना होगा कि यह लड़ाई उनके लिए लड़ी जा रही है जिसमें उनकी सहभागिता भी होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी यह बताने में सफल होती है कि विपक्षी दल सत्ता के लिए यह लड़ाई लड़ रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा सत्ता पाने के लिए इस तरह की लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे अलग छवि बनाने की जरूरत राहुल गांधी को है। जनता को भी इस लड़ाई में जिस दिन कांग्रेस शामिल कर लेगी। उस दिन भय और नफरत का वातावरण खुद ही खत्म हो जाएगा। अंग्रेजों के समय पर स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई मे महात्मा गांधी ने जो भी यात्राएं निकाली, उसमें आम जनों को भी जोड़ा। अंग्रेजों ने जो कानून बनाए थे उनके विरोध में आम जनता को जागृत किया। स्थानीय नेताओं ने उस लड़ाई को यात्रा के बाद भी लड़ने का क्रम जारी रखा। तब जाकर जन सामान्य अंग्रेजों के खिलाफ इकट्ठे हुए और सार्थक लड़ाई लड़ पाए। मणिपुर की स्थिति अभी भी सामान्य नहीं है। निश्चित रूप से सरकार न्याय यात्रा को मणिपुर से शुरू करने की शायद ही इजाजत दे। यहीं से टकराव की शुरुआत होगी। कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा जिन 14 राज्यों में यह न्याय यात्रा निकाली जा रही है, उसमें सहयोगी दलों को भी राहुल गांधी को शामिल करना चाहिए। कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस संगठन के लोग आम जनता के संपर्क में सतत बने रहें। जुड़ाव का सबसे बड़ा आधार भाषा ही है। जिन 14 राज्यों से यात्रा निकाली जा रही है, उन सब की भाषा और बोली अलग-अलग है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा का प्रभाव तभी होगा, जब राज्यों में राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता इस लड़ाई को आगे तक बढ़ाने के लिए लगातार सक्रिय रहें। निश्चित रूप से यह आम आदमियों के लिए एक राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक यात्रा है। इसका प्रभाव आम जनता पर ही पड़ना है। राहुल गांधी जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं। जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, समानता, धार्मिक स्वतंत्रता, निज़िता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मामले आम जनता से जुड़े हुए हैं। यदि इस न्याय यात्रा से जनता जुड़ेगी, तभी इस न्याय यात्रा की सार्थकता होगी। निश्चित रूप से राहुल गांधी ने न्याय यात्रा में जिन्हें 14 राज्यों में जाने का निर्णय किया है। उन राज्यों में कांग्रेस पार्टी के मात्र 14 सांसद हैं। 341 लोकसभा सीटों पर उनका कोई प्रतिनिधि नहीं है। निश्चित रूप से सहयोगी दलों के बिना यह लड़ाई जीतना नामुमकिन है। जिस तरह का वातावरण देश में बना हुआ है, उसको बदलने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। निश्चित रूप से राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के स्थानीय संगठन और सहयोगी दलों के संगठन को सक्रिय करते हुए यात्रा करने में सफल हुए। तभी कोई सार्थक परिणाम मिल सकते हैं। निश्चित रूप से राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा से लाभ हो सकता है। भारत जोड़ो यात्रा की तरह न्याय यात्रा निकाली गई तो यह लाभ ऊंट के मुंह में जीरे के समान होगा। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठनों द्वारा सामूहिक लड़ाई और वह योजना बनाकर लंबे समय तक अपने काम को अंजाम देते हैं।

ठीक वही कार्य पद्धति इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों को भी बनानी होगी अन्यथा आगे पाठ और पीछे सपाट की स्थिति बनी रहेगी। कांग्रेस और राहुल गांधी के पास खोने के लिये कुछ नहीं है। न्याय यात्रा सफल हुई तो उन्हें वह सब कुछ मिलेगा, जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। न्याय यात्रा में उन्हें क्षेत्रीय दलों को भी अपने साथ लेना होगा।

स्वस्थ रहने के लिए फल-सब्जियां खाएं छिलके समेत

अगली बार जब भी आप सेब खाने से पहले उसका छिलका उतारना शुरू करें तो दो बार सोचें। यदि विशेषज्ञों की राय मानें तो कई फलों तथा सब्जियों को छिलके समेत खाना अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है।

क्लीनिकल न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं, ''लोग जो भोजन तैयार करते हैं उसके बारे में बुनियादी पोषक तथ्यों को नजरअंदाज कर जाते हैं। विभिन्न खाद्यों को छिलके के बगैर खाने से उसके जरूरी पोषक तत्वों के लाभ से हम वंचित रह जाते हैं। उदाहरण के लिए बादाम का छिलका एंटी ऑक्सीडैंट्स का बढ़िया स्रोत है। बादाम के छिलके में मौजूद फ्लेवनॉएड्स इसमें मौजूद विटामिन ई के साथ मिलकर एंटी ऑक्सीडैंट गुणों को दोगुना कर देते हैं। बादाम के छिलके में पॉलीफिनोल्स भी होते हैं जो हृदय रोगों के खतरे को कम करते हैं और बुरे कोलैस्ट्रॉल की ऑक्सीडेशन को रोकते हैं जो धमनियों को नुक्सान पहुंचाता है। बादामों में फाइबर, प्रोटीन, फैटी एसिड्स, विटामिन्स, मिनरल्स तथा फाइटोन्यूट्रीएंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं।''

एक अन्य डाइटीशियन कहते हैं, ''कुछ फलों तथा सब्जियों के छिलकों का सेवन करने से विटामिन की हमारी खपत बढ़ती है, हमारी ऊर्जा का स्तर ऊंचा होता है और यहां तक कि कैंसर से लडने में भी सहायता मिलती है। फलों के छिलके में पोटाशियम तथा स्वास्थ्यवर्द्धक सोडियम भरपूर मात्रा में होता है। ये आंतडियों की सफाई करने में सहायक होते हैं।''

संतरे तथा नींबू के छिलकों को केक्स तथा पेस्ट्रीज में शामिल किया जा सकता है। संतरे का छिलका न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि फल से चार गुना अधिक फाइबर उपलब्ध करवाता है। छिलके समेत खीरे में भी कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। यह विटामिन के (ब्लड क्लॉटिंग के लिए जरूरी), विटामिन सी तथा मैग्नीशियम का प्रमुख स्रोत है।''

कुछ फलों के छिलके

केला - केले का छिलका सेरोटोनिन से भरपूर होता है जो एक एंटी डिप्रैसैंट है।

सिट्रस फल - नींबू तथा नारंगी में लीमोनीन तथा रयूटिन नामक शक्तिशाली फ्लेवनॉएड्स होते हैं। ये बुरे कोलैस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं।

सेब - सेब फ्लेवनॉएड्स जैसे एंटी ऑक्सीडैंट्स, पोटाशियम तथा फाइबर के भरपूर स्रोत होते हैं। सेब के छिलके में इस फल के मुकाबले दोगुना अधिक एंटी ऑक्सीडैंट्स होते हैं।

कीवी - इसके फर वाले छिलके में एंटीऑक्सीडैंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर विरोधी और सूजन विरोधी गुण होते हैं।

अनानास - इसके छिलके में ब्रोमीलेन मौजूद होता है, जो मृत मानवीय कोशिकाओं को तोड़ता है। इस प्रकार पेट तथा आंतडियों की परतों की रक्षा होती है।

सब्जियों के छिलके

हरी पत्ता गोभी - इसका छिलका कैल्शियम, विटामिन सी, घुलनशील फाइबर, प्रोटीन्स तथा एंटीऑक्सीडैंट्स से भरपूर होता है।

आलू - इसका छिलका घुलनशील फाइबर, पोटाशियम, आयरन, फासफोरस तथा विटामिन सी से भरपूर होता है।

टमाटर - इसका छिलका लाइकोपीन नामक एंटीऑक्सीडैंट से भरपूर होता है जिसमें कैंसर तथा सूजन विरोधी गुण पाए जाते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

लहसुन - इसके छिलके में मौजूद एंटीऑक्सीडैंट्स एजिंग को रोकने के साथ ही हृदय की रक्षा भी करते हैं।

अगली बार जब भी आप सेब खाने से पहले उसका छिलका उतारना शुरू करें तो दो बार सोचें। यदि विशेषज्ञों की राय मानें तो कई फलों तथा सब्जियों को छिलके समेत खाना अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है।

अच्छा कोलेस्ट्रॉल भी हो सकता है दिल का दुश्मन

बुरा कोलेस्ट्रॉल दिल के लिए खतरनाक है। आप इस बात से तो हम सभी वाकिफ थे, लेकिन अब अच्छे कोलेस्ट्रॉल को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। अमेरिका में ओहिया राज्य के क्लीवलैंड क्लीनिक के शोधकर्ताओं द्वारा हाल ही में किए गए एक शोध में यह खुलासा हुआ है। इस शोध में पता चला है कि अभी तक दिल का सच्चा साथी माने जाने वाला अच्छा कोलेस्ट्रॉल अर्थात हाई डैंसिटी लाइपोप्रोटीन (एचडीएल) दिल के लिए घातक भी साबित हो सकता है। यह असामान्य रूप से धमनियों में जमकर खून के बहाव को भी बाधित कर सकता है और इस तरह यह भी दिल के दौरे और दिल से जुड़ी दूसरी बीमारियों का कारण बन सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि शोध में द्वारा नए सिरे से किए गए खुलासे के बावजूद लोगों को स्वास्थ्यवर्धक भोजन का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन दिल के संबंध में एचडीएल की कहानी कुछ ज्यादा ही पेचीदा है।

उच्च कार्बोहाइड्रेट आहार भी बीमारियों का कारण

नवीनतम शोधों से पता चला है कि मैदे से बनी ब्रैड, आलू, परिष्कृत चावल और पास्ता जो कार्बोहाइड्रेट के उत्तम स्रोत हैं, का सेवन स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है। हाल ही में एक शोध में कुछ महिलाओं को कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन ब्रैड, आलू, पास्ता, परिष्कृत चावल आदि का सेवन करवाया गया और कुछ महिलाओं को रेशेयुक्त आहार जैसे अनाज की ब्रैड और गेहूं का दलिया आदि का सेवन करवाया गया।

जिसमें शोधकर्ताओं ने कार्बोहाइड्रेट युक्त आहार का सेवन करने वाली महिलाओं को रेशेयुक्त आहार का सेवन करने वाली महिलाओं की तुलना में अढ़ाई गुणा अधिक 'टाइप टू डायबिटीज' होने की संभावना पाई। इस शोध से शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उच्च कार्बोहाइड्रेट आहार जिसमें रेशे की मात्रा कम हो, गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इससे पूर्व हुए अन्य शोधों से यह भी पता चला है कि रेशेयुक्त आहार का सेवन न करने से हृदय रोगों, कैंसर (पेट, आंत) होने की संभावना भी अधिक होती है।

नींद न आए तो इन्हें आजमाएं

- सोने से पहले एक गिलास हल्का गर्म दूध पिएं। यह बिना किसी रुकावट के नींद लाने में मदद करता है। इसमें एमिनो एसिड होता है जो शरीर की तंत्रिकाओं को शांत करता है, जिससे नींद अच्छी आती है।
- दिन भर में अच्छी मात्रा में दही खाएं।
- सोने से पहले चुटकी भर जायफल का पाऊडर दूध या पानी में मिला कर पिएं।
- आधे-आधे चम्मच खसखस, चीनी और शहद का पेस्ट बनाएं और सोने से पहले इसे खाएं।
- दूध में 2 बड़े चम्मच शहद मिलाकर पिएं।
- रात को खाने में सलाद की जगह कच्चा प्याज खाएं। इसको खाने से मुंह से दुर्गंध आती है, तो ब्रश करके सोएं। इसमें मौजूद खास तरह के रसायन नींद लाने में मदद करते हैं।
- अपने सोने और उठने का खास समय निर्धारित कर लें और कोशिश करें कि उसी वक्त पर सोएं और उसी वक्त पर उठें। इस कोशिश में अलार्म घड़ी की सहायता लें।
- सोने से पहले पानी में तुलसी या पोदीना पत्तियां डालकर गुनगुने पानी से स्नान करें। यह शरीर का तापमान पहले तो बढ़ाएगा, फिर धीरे-धीरे ठंडक प्रदान करेगा।
- हल्के व ढीले कपड़े पहन कर कुछ पढ़ते-पढ़ते सोएं। नींद में जल्दी ध्यान केंद्रित होगा और कुछ ही समय में आप नींद के आगोश में होंगी।
- किसी तरह के मद्य-व्यसन के प्रयोग से बचें।
- फल या फलों का रस, सब्जियां और साग अपनी रूटीन डाइट में शामिल करें।
- सोने से पहले ढेर सारा पानी न पिएं। बार-बार यूरिन आने के कारण नींद में व्यवधान पड़ेगा।
- चीनी की बजाय शहद मिला कर पिएं क्योंकि चीनी तुरंत ऊर्जा देती है। भले ही यह ऊर्जा कम समय के लिए ही बनी रहे, पर इससे शूगर लैवल बढ़ और गिर सकता है और नींद में खलल पैदा हो सकता है।
- सोने से पहले 3-4 बार गहरी व लम्बी सांसें लें।
- नियमित रूप से दिन में कम से कम 20 मिनट के लिए व्यायाम करें। यह नींद का स्तर और समय दोनों को प्रभावित करेगा।

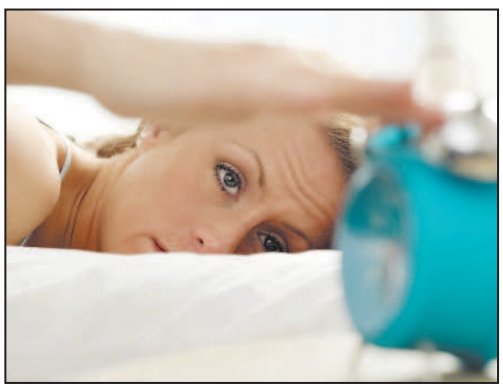

गर्भवती मां के खान-पान से पड़ सकता है बच्चे के दिमाग पर असर

गर्भवती महिला के खानपान में वसायुक्त पदार्थों की अधिकता बच्चे के दिमाग को प्रभावित कर सकती है, जिससे आगे चलकर जीवन में बच्चे के मोटे होने की आशंका बढ़ जाती है। हाल ही में अमेरीका के येल स्कूल ऑफ मैडिसिन में जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में यह पता चला कि वसायुक्त भोजन से चूहों के बच्चों के दिमाग में बदलाव आ गया। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि उनके इस अध्ययन से मोटे लोगों के बच्चों के भी आगे मोटे होने की व्याखया की जा सकती है। अध्ययन के दौरान कुछ चुहियों को वसायुक्त भोजन दिया गया और कुछ को सामान्य, जिन चुहियों को वसायुक्त भोजन दिया गया, उनके बच्चों के दिमाग में हाईपोथेलेमस वाले भाग में बदलाव देखा गया। दिमाग का यह भाग शरीर में उपापचय (मैटाबोलिज्म) की दर को नियंत्रित करता है।

एसबीआई और यूनियन बैंक ने एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। एसबीआई और यूनियन बैंक ने दो करोड़ रुपये से कम के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरें 0.50 फीसदी तक बढ़ा दी है। एफडी पर बढ़ाई गईं नई दरें 27 दिसंबर से लागू हो गई हैं। एसबीआई ने बताया कि सात दिन से लेकर 45 दिन की अवधि के एफडी पर 0.50 फीसदी ज्यादा यानी 3.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 46 से 179 दिन वाले एफडी पर 0.25 फीसदी ज्यादा ब्याज मिलेगा, जो 4.75 फीसदी होगा। दो से तीन साल की अवधि के एफडी पर सबसे ज्यादा सात फीसदी ब्याज मिलेगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि उसने एफडी पर 0.25 फीसदी तक ब्याज बढ़ाया है। बैंक के मुताबिक सात दिन से 14 दिन की अवधि के जमा पर अब तीन फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं 121 दिन से लेकर 180 दिन के जमा पर 4.4 फीसदी और एक साल के जमा पर 6.30 फीसदी का ब्याज मिलेगा। बैंक के ग्राहकों को 399 दिन के जमा पर सात फीसदी जबकि पांच साल से 10 साल की अवधि वाले जमा पर 6.70 फीसदी ब्याज मिलेगा। एसबीआई और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि दोनों वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर 0.50 फीसदी अधिक ब्याज देंगे।

अमेरिका में ओपन एआई और माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा

अमेरिका में ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर मुकदमा वोशिंगटन (ईएमएस)। ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर अमेरिका की एक अखबार एजेंसी ने मुकदमा कर दिया है। गौरतलब है कि एजेंसी ने ओपनएआई और माइक्रोसॉट पर आरोप लगाया है कि कंपनी ने अखबार के कई आर्टिकल्स को बिना अनुमति के इस्तेमाल किया है। कंपनी ने आरोप लगाया है कि ओपन एआई और माइक्रोसॉट ने अपने चैटबॉट के ट्रेनिंग प्रोसेस में इन आर्टिकल्स का इस्तेमाल किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इसके लिए उनके लाखों आर्टिकल्स का बिना उपयोग किया गया है। इस मामले में एजेंसी ने कहा है कि वो अमेरिका का पहला प्रमुख मीडिया है, ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर कॉपीराइट मुद्दों को लेकर मुकदमा दायर किया है। बता दें कि ओपन एआई में माइक्रोसॉट का निवेश हैं, वहीं ओपन एआई मौजूदा समय में प्रचलित एआई टूल चेटजीपीटी बनाने वाली कंपनी है। गौरतलब है कि एजेंसी के अलावा लेखकों और अन्य लोगों ने भी मुआवजे के बिना अपने ऑनलाइन कॉन्टेंट की एआई सर्विसेज द्वारा स्क्रैपिंग या डेटा के ऑटोमेटिक कलेक्शन को सीमित करने के लिए मुकदमा दायर किया है। अखबार एजेंसी ने मामला मैनहैटन फेडरल कोर्ट में दर्ज किया है।

पीसीबीएल को एक फार्म के अधिग्रहण के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने विशेष रसायन कंपनी पीसीबीएल के एक्राफार्म केमिकल्स में 100 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। एक नोटिस में यह जानकारी दी गई है। सीसीआई ने ग्रीन चैनल रूट के तहत इस सौदे को अपनी मंजूरी दी है। ग्रीन चैनल रूट के तहत वैसे लेनदेन जिसका प्रतिस्पर्धा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव का खतरा नहीं है, सीसीआई को सूचित किए जाने पर अनुमोदित माना जाता है। पीसीबीएल लिमिटेड कार्बन ब्लैक और हरित बिजली उत्पादन के निर्माण और बिक्री कार्य में संलग्न है। सीसीआई ने कहा कि यह सौदा कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों से एक्राफार्म केमिकल्स की 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी हासिल करने के पीसीबीएल के प्रस्ताव से संबंधित है। लेन-देन पूरा होने के बाद एक्राफार्म केमिकल्स, पीसीबीएल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होगी।

एईपीसी ने सरकार से आरओएससीटीएल योजना बढ़ाने का किया आग्रह

नई दिल्ली। परिधान निर्यातकों की प्रमुख संस्था एईपीसी ने सरकार से आरओएससीटीएल योजना का विस्तार करने का आग्रह किया और कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए यह बहुत ही जरूरी है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के अनुसार बाजार सर्वकालिक निचले स्तर पर है और अमेरिका तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के पारंपरिक बाजार मंदी से प्रभावित हैं। एईपीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए इस योजना आरओएससीटीएल (राज्य तथा केंद्रीय करों एवं शुल्क की छूट) को 31 मार्च 2024 से आगे बढ़ाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस योजना (आरओएससीटीएल) ने परिधान उद्योग को प्रतिस्पर्धी बने रहने के साथ-साथ व्यवसाय संबंधि योजना तैयार करने में काफी मदद की है। उन्होंने उद्योग जगत से नवप्रवर्तन तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने को भी कहा। अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में परिधान उद्योग को बहुत कम एफडीआई मिलता है, जबकि परिधान क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। उन्होंने कहा कि निर्यात को मौजूदा 16-17 अरब अमेरिकी डॉलर से 2030 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए लागत में कटौती, तेजी से मंजूरी, बाजार तथा उत्पाद का विस्तार, क्लस्टर-आधारित मॉडल अपनाने, निवेश लाने के लिए नवाचार पर ध्यान देने आदि की आवश्यकता है।

बैंकों का एनपीए घटा, आरबीआई की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि सितंबर 2023 की समाप्ति पर बैंकों का ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट (जीएनपीए) घटकर 3.2 फीसदी पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि साल 2018-19 में बैंकों के एसेट गुणवत्ता में सुधार की प्रक्रिया की शुरुआत हुई थी वो वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के पहले छमाही में भी जारी रही , जिसके बाद सितंबर 2023 की समाप्ति पर बैंकों का ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट घटकर 3.2 फीसदी पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग सेक्टर के ट्रेंड्स और प्रोग्रेस को लेकर नाम से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में बैंकिंग सेक्टर के प्रदर्शन का जिक्र किया गया है जिसमें 2022-23 और 2023-24 के दौरान को-ऑपरेटिव बैंकों और एनबीएफसी का प्रदर्शन भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक रिटेल और सर्विसेज सेक्टर्स को क्रेडिट में बढ़ोतरी, बैंकों में डिपॉजिट बढ़ने के चलते शेड्यूल कमर्शियल बैंकों के बैलेंसशीट में 2022-23 में 12.2 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। हालांकि बैंकों का डिपॉजिट ग्रोथ क्रेडिट ग्रोथ रेट के मुकाबले कम रहा है।

गुरुवार को गुलजार रहा बाजार

गुरुवार को गुलजार रहा बाजार, निवेशकों की कमाई में 1.69 लाख करोड़ का इजाफा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला कारोबारी सप्ताह के पांचवें दिन भी जारी रहा। सेंसेक्स और निटी दोनों ने कारोबार के दौरान अपना नया सर्वकालिक उच्च स्तर छूआ। बाजार लगातार 5वें दिन तेजी के साथ बंद हुए। इसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति गुरुवार दिनभर में करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। सबसे अधिक तेजी ऑयल एंड गैस, मेटल, एनर्जी, एफएमसीजी और रियल्टी शेयरों में देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर आईटी और इंडस्ट्रियल शेयरों में गुरुवार को गिरावट रही। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप क्रमशः 0.66 प्रतिशत और 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 371.95 अंक की तेजी के साथ 72,410.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों का वाला सूचकांक, निटी 123.95 अंक बढ़कर 21,778.70 के स्तर पर बंद हुआ।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरुवार को बढ़कर 363 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 27 दिसंबर को 361.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप गुरुवार करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। जिससे निवेशकों की वेल्थ में करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयर बीएसई सेंसेक्स के 30 में 21 शेयर गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए। इसमें भी एनटीपीसी के शेयरों में सबसे अधिक 3.11 प्रतिशत की तेजी रही। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही और ये 1.81 प्रतिशत से लेकर 2.58 फीसदी तक की तेजी के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर वहीं सेंसेक्स बाकी 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसमें भी भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स रहा। वहीं बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर 0.35 प्रतिशत से लेकर 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एक्सचेंज पर कुल 3,920 शेयरों में गुरुवार को कारोबार देखने को मिला। इसमें से 1,825 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं 1,963 शेयरों में गिरावट देखी गई। जबकि 132 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट बंद हुए। इसके अलावा 357 शेयरों ने गुरुवार कारोबार के दौरान अपना नया 52-वीक हाई छुआ। वहीं 21 शेयरों ने अपने 52-हेतों का नया निचला स्तर छुआ।

देश के सात शहरों में इस साल आवासीय बिक्री बढ़कर 4.77 लाख इकाई पहुंची

- वर्ष 2022 में 3,64,870 इकाइयों की बिक्री की गई थी

नई दिल्ली।

इस साल देश के सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 31 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 4.77 लाख इकाई पहुंच गई है। कीमतों के औसतन 15 फीसदी बढ़ने और उच्च ब्याज दरों के बाद भी यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने हाल ही में सात प्रमुख शहरों के आवासीय बाजार के वार्षिक आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष 2023 में आवासीय बिक्री 4,76,530 इकाई रही। यह किसी भौवित्त वर्ष में दर्ज अभी तक की सबसे अधिक बिक्री है। 2022 में 3,64,870 इकाइयों की बिक्री की गई थी। रियल एस्टेट कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैश्विक प्रतिकूलताओं, घरेलू संपत्ति की बढ़ती कीमतों और इस साल की पहली छमाही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद 2023 भारतीय आवासीय क्षेत्र के लिए बेहतरीन रहा। उन्होंने कहा कि शीर्ष सात शहरों में आवासीय बिक्री 2022 के पिछले उच्च स्तर को पार कर गई। आशंका थी कि संपत्ति की बढ़ती कीमतों और ब्याज दरों के साथ-साथ वैश्विक बाजार की अनिश्चितताएं आवासीय बिक्री को प्रभावित करेंगी, हालांकि उच्च मांग बनी रही। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष सात शहरों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर पुणे रहा। एमएमआर में बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 1,53,870 इकाई रही, जो पिछले साल 1,09,730 इकाई थी। पुणे में आवासीय बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 86,680 इकाई रही, जो पिछले साले 57,145 इकाई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिक्री केवल तीन प्रतिशत बढ़कर 65,625 इकाई रही, पिछले साल यह 63,710 इकाई रही थी। बेंगलुरु

में आवासीय बिक्री पिछले साल 49,480 इकाइयों की तुलना में 29 प्रतिशत बढ़कर 63,980 इकाई रही। कोलकाता में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 21,220 इकाई से 23,030 इकाई हो गई। चेन्नई में बिक्री पिछले वित्त वर्ष में 16,100 इकाइयों से इस वर्ष 34 प्रतिशत बढ़कर 21,630 इकाई हो गई। रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार कच्चे माल की लागत में वृद्धि और मजबूत मांग के कारण इन सात शहरों में आवासीय कीमत 10 से 24 प्रतिशत तक बढ़ीं।

पूर्वोत्तर राज्यों की सैर के लिए आईआरसीटीसी का सस्ता टूर पैकेज

नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर राज्य की सैर करने के लिए आईआरसीटीसी आपके लिए शानदार टूर पैकेज लेकर आया है। इस पैकेज का नाम है ज्वेल ऑफ नार्थ ईस्ट पैकेज ईएक्स लखनऊ। यह एक 10 दिन का ट्रेन पैकेज है जिसमें आपको पूर्वोतर की कई जगह जैसे गुवाहाटी, कामोया, शिलांग और चेरापूंजी की सैर का मौका मिल रहा है।

इस पैकेज का लुत्फ हर सोमवार को उठाया जा सकता है। यह 11 दिन और 10 रात का टूर पैकेज है जिसमें आपको कामोया देवी मंदिर जैसी धार्मिक जगहों पर भी यात्रा करने का मौका मिलेगा। इस पैकेज में आप अपने बजट के हिसाब से 2 एसी और 3 एसी में से किसी एक में यात्रा कर सकते हैं। इस पैकेज में आपको ब्रेकफास्ट की सुविधा मिल रही है। लंच और डिनर की व्यवस्था आपको खुद करनी होगी। आईआरसीटीसी के नॉर्थ ईस्ट टूर में आपको लखनऊ के अलावा गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, सिवान और छपरा से बोर्डिंग और डीबोर्डिंग की सुविधा मिल रही है। अगर आप सेकंड एसी पैकेज का चुनाव करते हैं तो ऑक्यूपेंसी के आधार पर 35,300 रुपये से लेकर 81,445 रुपये तक प्रति व्यक्ति के हिसाब से शुल्क देना होगा। वहीं कंफर्ट पैकेज थर्ड एसी 33,305 रुपये से लेकर 79,550 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क देना होगा।

दो तिहाई भारतीयों की कमाई अभी भी 35 हजार के नीचे

नई दिल्ली।

देश में परिवारों की आमदनी, खर्च, लाइफस्टाइल, बचत, निवेश और भविष्य की योजना के बारे में किए गए गए एक सर्वे में रोचक आंकड़े निकलकर सामने आए हैं। इस सर्वे में कर्नाटक के परिवार देश में सबसे समृद्ध निकले। उन्होंने महाराष्ट्र के परिवारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हालांकि दो तिहाई भारतीय अभी भी हर महीने 35 हजार से कम कमा पाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों को निवेश के नए विकल्प अभी तक लुभा नहीं पाए हैं। वह गोल्ड और बैंक में जमा पैसों को सुरक्षित निवेश के तौर पर देखते हैं। लगभग 77 फीसदी भारतीय अपनी कमाई को बैंक में रखना पसंद करते हैं। साथ ही 21 फीसदी लोग गोल्ड में निवेश करने को तरजीह देते हैं। हालांकि भारतीय परिवारों में बीमा इंश्योरेंस और शेयर बाजार के प्रति रुझान बढ़ा है। फिर भी अभी इनकी संख्या कम है।

सर्वेक्षण से पता चला कि कोविड महामारी के बाद प्रवासी मजदूर शहरों की ओर वापस लौटे हैं। इसकी वजह से 2023 में शहरी परिवारों की औसत मासिक आय 12 फीसदी बढ़कर 25,910 रुपये हो गई मगर अभी भी 77 फीसदी भारतीय 35,000 रुपये मासिक से कम कमाते हैं। सिर्फ 30 फीसदी परिवारों ने बताया कि पिछले 5 साल में उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। 53 फीसदी परिवारों के पास अभी भी स्वास्थ्य बीमा नहीं है। शेय बाजार और म्यूचुअल फंड में पैसा लगाने वालों की संख्या भी बढ़ी है। गलुरु और तिरुवनंतपुरम में सबसे ज्यादा गोल्ड सेविंग होती है। भारत में सबसे ज्यादा बीमा मदुरई के परिवारों के पास है।

इस सर्वे में 20 राज्यों के 1,170 स्थानों और 115 जिलों में फैले 35,000 से अधिक घरों को शामिल किया गया। यह सर्वेक्षण रिसर्च ट्राइएंगल इंस्टिट्यूट (आरटीआई) इंटरनेशनल के सहयोग से किया गया है।

वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों की प्रीमियम 13 प्रतिशत बढ़ी: इरडा

साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय 16.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।

जीवन बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय पिछले वित्त वर्ष में 12.98 प्रतिशत बढ़कर 7.8 3 लाख करोड़ रुपये हो गई जबकि साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय 16.4 प्रतिशत बढ़कर 2.57 लाख करोड़ रुपये हो गई। बीमा नियामक इरडा ने अपनी सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 में कहा कि निजी क्षेत्र के जीवन बीमा कंपनियों ने प्रीमियम में 16.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के जीवन बीमाकर्ता ने प्रीमियम में 10.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जीवन बीमा कंपनियों की कुल प्रीमियम आय में पुरानी पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम का हिस्सा 52.56 प्रतिशत रहा है जबकि 47.44 प्रतिशत योगदान नए पॉलिसी प्रीमियम का है। हालांकि नई पॉलिसी के प्रीमियम में 17.90 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई जबकि नवीनीकरण कारोबार 8.88 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इरडा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत खंड में 284.70 लाख नई पॉलिसी जारी की। सार्वजनिक क्षेत्र के

बीमाकर्ताओं ने 204.29 लाख पॉलिसी (71.75 प्रतिशत) और निजी जीवन बीमा कंपनियों ने 80.42 लाख पॉलिसी (28.25 प्रतिशत) जारी कीं। जीवन बीमा उद्योग का मुनाफा बीते वित्त वर्ष में पांच गुना बढ़कर 42,788 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 7,751 करोड़ रुपये था। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र का लाभ 800 प्रतिशत रहा जबकि निजी बीमा कंपनियों ने कुल मिलाकर 72.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी जारी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार के कारोबारी दिन भी तेज रही। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 63,800 रुपये और चांदी के वायदा भाव 75,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई लेकिन बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 50 रुपये की तेजी के साथ 63,728 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 112 रुपये की तेजी के साथ 63,790 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 96 रुपये की तेजी के साथ 75,743 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 38 रुपये की तेजी के साथ 75,685 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,089.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,093.10 डॉलर था। फिलहाल यह 3.70 डॉलर की तेजी

के साथ 2,096.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.64 डॉलर था। फिलहाल यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 24.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एनटीपीसी एक-दो साल में हरित ऊर्जा इकाई सूचीबद्ध करेगी: गुरदीप सिंह

मुंबई।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी अपनी हरित ऊर्जा इकाई को एक-दो साल में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह ने कहा कि कंपनी को भविष्य में इसमें अधिक मांग की उमीद है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूंजीगत व्यय में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि की उमीद कर रही है। सिंह ने कंपनी की हरित ऊर्जा इकाई को सूचीबद्ध करने पर विचार करने से जुड़े एक सवाल पर कहा कि शायद मुझे लगता है कि एक आईपीओ अगले एक से दो साल में आने वाला है। उन्होंने यह बात यहां हाल ही में आयोजित 10वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में एक परिचर्चा में कही। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से आगे देख रहे हैं और यह हमारी सोचने की प्रक्रिया है, मुझे लगता है कि लगभग एक या दो साल में हम आईपीओ के लिए जाएंगे।

बाजार में आए चार नए फोन, 60 एमपी कैमरा और 100 वॉट की चार्जिंग ने बढ़ाया

नई दिल्ली।

इन दिनों बाजार में चार नए मोबाइल उतारे गए है। जिनके कई तरह की खासियतें है। 60 मेगापिक्सल्स का कैमला और 100 वॉट की चार्जिंग ने ग्राहकों को आकर्षित किया है। ये स्मार्टफोन हुवावे की नोवा 12 सीरीज के हैं। इस सीरीज में आने वाले इन फोन्स का नाम- हुआवेई नोवा 12,हुआवेई नोवा 12 लाइट,हुआवेई नोवा 12 प्रो

और हुआवेई नोवा 12 अल्ट्रा है। कंपनी के ये नए फोन 60 मेगापिक्सल के सेल्फी कैमरा से लैस हैं। कंपनी ने इन फोन्स को 12जीबी तक की रैम और 1टीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च किया है। नोवा 12 सीरीज के ये लेटेस्ट फोन 100 वॉट तक की फास्ट चार्जिंग और पावरफुल प्रोसेसर के साथ आते हैं।

नोवा 12 अल्ट्रा 12जीबी रैम और 1टीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में आता है। वहीं, नोवा 12 प्रो को कंपनी ने 12जीबी रैम और 512जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च किया है। प्रोसेसर के तौर नोवा 12 अल्ट्रा में किरीन 9000 एसएल और नोवा 12 प्रो में किरीन 8000 5 जी चिपसेट दिया गया है। इन फोन में 6.6 इंच का ओलेड डिस्प्ले दिया गया है। यह डिस्प्ले 120 एचजेड तक के रिफ्रेश रेट और 300 एचजेड के टच सैंप्लिंग रेट के साथ आता है। फोटोग्राफी के लिए इन फोन मे 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। वहीं, सेल्फी के लिए भी कंपनी इनमें दो कैमरे दे रही है। इनमें एक 60 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और एक 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा शामिल है। इन फोन की बैटरी 4600 एमएएच की है, जो 100 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। ओएस की बात करें तो यह फोन हॉरमोनी ओएस 4.0 पर काम करता है।

हुवावे की नई सीरीज के ये दोनों फोन प्रोसेसर के मामले में एक दूसरे अलग हैं। नोवा 12 में कंपनी किरीन 8000 चिपसेट दे रही है। वहीं, नोवा 12 लाइट स्नैपड्रैगन 778जी 4 जी प्रोसेसर के साथ आता है। कंपनी इन फोन में 2412 गुणा 1084 पिक्सल रेजॉल्यूशन के साथ 6.7 इंच का फुल एचडी प्लस ओलेड डिस्प्ले दे रही है, जो 120 एचजेड के रिफ्रेश रेट के साथ आता है। फोटोग्राफी के लिए इन फोन में ऊंची 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। फोन का सेल्फी कैमरा 60 मेगापिक्सल का है। इन फोन में सेल्फी के लिए दो कैमरे नहीं दिए गए हैं। फोन्स की बैटरी 4500 एमएएच की है, जो 66 वॉट की वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कनेक्टिविटी के लिए

इन फोन में वाई-फाई 2.4 जीएचजेड, 5 जीएचजेड , ब्लूटूथ 5.2, यूएसबी टाइप-सी और जीपीएस जैसे ऑप्शन दिए गए हैं।

राहुल की न्याय यात्रा के निहितार्थ समझिये...

राकेश अचल

कांग्रेस कि न्याय यात्रा को देश का गैर भाजपा विपक्ष भी अंगीकार कर इसमें शामिल होगा या नहीं ,इसे लेकर अभी कुहासा है। कांग्रेस कि इस न्याय यात्रा में यदि इंडिया गठबंधन के दल शामिल हो जाते हैं तो इसकी धार और तेज हो सकती है। इस यात्रा का लाभ समूचा विपक्ष को मिल सकता है ,अन्यथा कांग्रेस को तो कुछ न कुछ लाभ मिलना तय है। इंडिया गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती गठबंधन के नेता के चेहरे कि है। भाजपा इसी मुद्दे पर सबसे ज्यादा हमलावर रहने वाली है।

देश की अठारहवीं लोकसभा के लिए चुनावों से पहले एक बार फिर चतुरंगनी सेनाएं सजने लगीं हैं। किसी के हाथ में धर्म-ध्वजा है तो किसी के हाथ में न्याय का शंख। रण है लेकिन भेरियां नहीं बज रहीं । सब कुछ खामोश के साथ हो रहा है। खामोशी के साथ अयोध्या में राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण के लिए पीले चावल बांटे जा रहे हैं। खामोशी के साथ ही कांग्रेस ने अपनी नयी न्याय यात्रा का ऐलान कर दिया है। कहीं टूट-फुट है तो कहीं आंतरिक असमंजस। मिसाल के तौर पर राजस्थान को ही लीजिये,वहां 25 दिन बाद भी भाजपा भजन मंत्रिमंडल का गठन नहीं कर पायी। खैर।।

पांच में से तीन राज्य विधानसभाओं में ढेर हो चुकी कांग्रेस के नेता इस बार भारत जोड़ो यात्रा नहीं निकाल रहे। उनकी नयी यात्रा का नाम न्याय -यात्रा है। कांग्रेस जनता के साथ केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा जनता और जन प्रतिनिधियों के साथ किये जा रहे कथित अन्याय के खिलाफ जन-जागरण के लिए यात्रा पर निकल रही है। कांग्रेस के राहुल गांधी को पद यात्राओं का खासा अनुभव है। इस समय देश में किसी भी राजनीतिक दल के पास राहुल गांधी जैसा कामयाब यात्री नहीं है । सत्तारूढ़ दल अब यात्राएं नहीं करता । सत्तारूढ़ दल अब रोड शो करता है। राजनीति में यात्राओं और रोड शो के जरिये जनता को आंदोलित किया जाता है।

राहुल गांधी की यह यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों से गुजरेगी। इस दौरान राहुल गांधी बस से और पैदल 6,200 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा करेंगे। यह मणिपुर से शुरू होकर नागालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में समाप्त होगी। राहुल गांधी की पूर्व की भारत जोड़ो यात्रा के मुकाबले ये यात्रा बड़ी और कठिन भी है। पहली यात्रा के प्रतिसाद के रूप में कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना में सत्तारूढ़ होने का मौका मिला । अब मौका लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को पदच्युत करने के साथ ही उसके 400 पार के लक्ष्य को ढेर करने का भी है।

यात्राओं के जरिये जन-जागरण और सत्ता परिवर्तन असम्भव नहीं है । देश को आजादी तक इसी तरह की यात्राओं के जरिये मिली है। कांग्रेस का देश की आजादी के 75 साल बाद भी गांधीवादी यात्राओं में यकीन है ,ये रेखांकित करने वाली बात है। जिस तरह से आरएसएस,जनसंघ,बाद में भाजपा ने धर्मध्वजाओं को नहीं छोड़ा उसी तरह कांग्रेस ने भी गांधीवाद और धर्म निरपेक्षता की मशाल जलाये रखी। भाजपा को अपने सिद्धांतों पर चलने का लाभ भी मिला और कांग्रेस को गांधी के रास्ते पर चलने का फायदा भी। सदभाव और भेदभाव के बीच का सनातन संघर्ष न अभी तक रुका है और न रुका है। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इसका रूप-रंग जरूर बदला हुआ नजर आएगा। आपको याद दिला दूँ कि राहुल गाँधी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पहले दक्षिण से उत्तर हुई थी। लेकिन न्याय यात्रा यात्रा पूर्व से पश्चिम की और जाएगी। ये यात्रा उस मणिपुर से शुरू होगी जिसकी बबार्दी के बावजूद प्रधानमंत्री न मणिपुर गए और न लम्बे आरसे तक उन्होंने मणिपुर पर कोई ब्यान दिया था। मणिपुर से दिल दहलाने वाली खबरें और वीडियो सामने आते रहे हैं। ,शायद राहुल गांधी इसके जरिए मोदी सरकार के साथ उनके डबल इंजन की सरकार के दावे पर जोरदार सियासी हमला कर सकें ।

कांग्रेस की ये न्याय यात्रा मकर संक्रांति से शुरू हो रही है । संक्रांति से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। कांग्रेस भी राजनीति के सूर्य की चाल बदलने के लिए उतावली है,लेकिन उसे कामयाबी हासिल नहीं हो पा रही है। कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए के बाद अब इंडिया यानि आईएनडीआईए गठबंधन बना है। इसमने 28 दल शामिल हैं और ये वे दल हैं जो कभी कभी सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा सताये गए हैं। भाजपा ने इंडिया गठबंधन के दलों के साथ कभी न कभी विश्वासघात किया है। कभी किसी दल के साथ मिलकर सरकार बनाई और बाद में तोड़ दी और यदि भाजपा को सरकार बनाने में कामयाबी नहीं मिली तो उसने उस दल को ही तोड़ दिया। महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना इसकी शिकार बन चुकी है। बिहार में तो ऐसा बार-बार हुआ है।बंगाल,ओडिशा और त्रिपुरा भी भाजपा के रडार पर हमेशा से रहे हैं। अब ये सब दल मिलकर भाजपा से बदला लेना चाहते हैं। गनीमत है कि इस यात्रा का नाम न्याय -यात्रा रखा गया है ,बदला यात्रा नहीं। वैसे आपको याद दिला दूँ कि अतीत में सत्तारूढ़ भाजपा समेत तमाम दल न्याय यात्राएं निकाल चुके हैं।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने अपने अपने दूसरे कार्यकाल के अंत में तो अन्याय की अति कर दी । संसद के दोनों सदनों से एक-दो नहीं बल्कि पूरे 150 सांसदों को निलंबित कर दिया। संसद को बिना विपक्ष के चलाया,ध्वनिमत से विधेयक पारित कराये और तो और राज्य सभा के सभापति को विपक्ष के खिलाफ एक औजार की तरह इस्तेमाल किया ,देश कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी जो काम आपातकाल लगाकर भी नहीं कर सकीं थी वो मोदी सरकार ने बिना आपातकाल लगाए कर दिखाया। लेकिन कांग्रेस और गैर भाजपा विपक्ष अभी तक भाजपा को सत्ताच्युत करने में कामयाब नहीं हो सका है। विपक्ष कोई कोशिशें कामयाब नहीं हो पायीं लेकिन वे रुकी भी नहीं। विपक्ष ने अभी तक सत्तारूढ़ भाजपा के सामने पूरी तरह से हथियार भी नहीं डाले है। ऐसे में कांग्रेस कि ये न्याय यात्रा एक नई पहल है।

कांग्रेस कि न्याय यात्रा को देश का गैर भाजपा विपक्ष भी अंगीकार कर इसमें शामिल होगा या नहीं ,इसे लेकर अभी कुहासा है। कांग्रेस कि इस न्याय यात्रा में यदि इंडिया गठबंधन के दल शामिल हो जाते हैं तो इसकी धार और तेज हो सकती है। इस यात्रा का लाभ समूचा विपक्ष को मिल सकता है ,अन्यथा कांग्रेस को तो कुछ न कुछ लाभ मिलना तय है। इंडिया गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती गठबंधन के नेता के चेहरे कि है। भाजपा इसी मुद्दे पर सबसे ज्यादा हमलावर रहने वाली है। राहुल की इस नई जोखिमपूर्ण यात्रा से भाजपा के सर पर चढ़ा राहुल गांधी का भूत और अधिक तांडव मचा सकता है। क्योंकि कोई माने या न माने लेकिन देश में राहुलगांधी ही विपक्ष का पर्याय है राहुल की इस न्याय यात्रा को निर्णय होना चाहिए,अन्यथा देश के हालात और गंभीर हो सकते हैं। इस तरह की यात्राओं का स्वागत किया जाना चाहिए ,भले ही इन यात्राओं के निहितार्थ ठेठ राजनीतिक ही क्यों न हों !

संपादकीय

भारत की कार्रवाई उचित

भारत ने अपने वाणिज्यिक पोतों को यमन के हूती आतंकवादियों के हमले से बचाने में 'पीछे न छूटते' हुए अपने चार विध्वसंक युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। ये युद्धपोत अरब सागर के लगभग 38 हजार वर्ग किमी. लंबे जल क्षेत्र में निगरानी करेंगे। इसमें हूती आतंकवादियों के कब्जे वाला अदन की खाड़ी का इलाका भी शामिल है। यह तैनाती पहले भेजे गए एक बड़े रडार से लैस एयरक्राफ्ट के अलावा है। ये चारों युद्धपोत यमन में अदन की खाड़ी से रोजाना गुजरने वाले अपने जहाजों की वास्तविक समय निगरानी और चौकसी करेंगे। इनकी कमान के अधीन ही भारतीय कर्मशियल टैंकरों को सुरक्षित आवाजाही कराई जाएगी। जाहिर है कि अरब सागर में तैनात होने वाले युद्धपोत हूती आर्तकियों को 'समुद्र की अतल गहराई से खोज निकालने वाले' हैं। इसका रक्षा मंत्री द्वारा किया गया दावा बड़बोलापन नहीं, वास्तविकता है। भारत की तरफ से यह कार्रवाई उसके एवं अंतरराष्ट्रीय हितों तथा जिम्मेदारियों को देखते हुए आवश्यक थी। उसका यह कदम लाल सागर की छाती पर सैन्य शक्ति जमावड़े. में शामिल होना नहीं है, जो इस्त्राइल के पक्ष में लामबंदी बताती हो। यह अलग बात है कि वहां सुरक्षा कारणों से पहले से मौजूद अमेरिका, फ्रांस, जापान एवं यूरोप के अन्य देशों के युद्धपोत तैनात हैं, जहां उसकी भी उपस्थिति मानी जा सकती है। लेकिन भारत की स्थिति भिन्न है। एक तो यह कि भारत का 90 फीसद कारोबार और 80 फीसद तेल तथा गैस समुद्र के रास्ते ही आता है। इनमें से बड़ा हिस्सा केवल पश्चिम एशिया से ही आता है। दूसरे, भारत भी समुद्र में जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करने की अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी से बंधा हुआ है। हूती आतंकी अब तक करीब 100 ड्रोन और मिसाइल हमले कर चुके हैं, जिनसे करीब 10 जहाजों को नुकसान पहुंचा है। इनमें भारत के झंडे.लगे दो जहाज भी हैं। हूतियों के इस हमले के पीछे इस्त्राइल-हमास संघर्ष भी है। उसका दावा है कि इस्त्राइल युद्ध विराम नहीं करेगा, वे लाल सागर में जहाजों पर हमले जारी रखेंगे। समुद्री यातायात को ठप करते रहेंगे। अब चूंकि इस्त्राइल है तो अमेरिका भी है और उसके शत्रु देश की भी अपनी चाल हो सकती है। पर भारत अपनी स्थिति बेहतर समझता है। इस बीच, भारत के प्रधानमंत्री का सऊदी अरब के प्रिंस से फोन पर बातचीत का सकारात्मक मायने है। वह यह कि भारत के लिए सुरक्षा एक वरीय प्राथमिकता है पर वह उन गतिविधियों को आजमाने में विश्वास करता है, जो मसले के स्थायी हल तक ले जाती हैं।

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकर्षण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

कसौटी पर आरोपः देश 'हाय... हाय... उचारे' प्रधानमंत्री मंदिर द्वारे....?

ओमप्रकाश मेहता

क्या प्रधानमंत्री पद पर विराजित शख्स की कोई निजी जिन्दगी नहीं होती? क्या उसे अपने लिए कुछ भी फैसले लेने का अधिकार नहीं है? ये अहम् सवाल देश के प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी पर लगाए गए ताजा आरोपों में निहित है, कांग्रेस को प्रधानमंत्री के मंदिर दर्शन पर आपत्ती है, कांग्रेस के इस गंभीर आरोप ने भारतीय राजनीति में संलग्न शख्सियतों के निजी जीवन को लेकर अनेक सवाल खड़े कर दिए है, आखिर प्रतिपक्ष दल को किसी की भी निजी दिनचर्या या जिन्दगी में झांकने की अनुमति किसने दी? हाँ, यदि प्रधानमंत्री के शासकीय दायित्वों या कर्तव्यों के निर्वहन में कोई कमी होती तो उसके उल्लेख का प्रतिपक्ष को पूरा अधिकार है, किंतु प्रधानमंत्री अपने निजी जीवन में क्या करते है और उन्हें क्या करना चाहिए, इसका विश्लेषण करने का अधिकार प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को किसने दिया? यह सिर्फ और सिर्फ प्रमुख प्रतिपक्षी दल की कच्ची व बचकानी सोच का परिणाम है?

यहाँ वास्तविकता तो यह है कि जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव निकट आते जा रहे है, वैसे-वैसे प्रतिपक्षी दलों की घटराहट बढ़ती जा रही है और उसी घबराहट के दौर में ऐसे बेबुनियाद सवाल उछाले जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्रतिपक्ष द्वारा एक ही घिसापीटा आरोप लगाया जाता है और वह है- मंहगाई और बैरोजगारी पर नियंत्रण नहीं होने का, तो इस आरोप के संदर्भ में कांग्रेस को अपने लम्बे शासनकाल की भी तो निष्पक्ष भाव से समीक्षा करना चाहिए, क्या नेहरू-इंदिरा, राजीव या नरसिंह राव जी के शासनकाल में मंहगाई-बैरोजगारी नही थी? आज ही यह क्यों नजर आने लगी, यह भी चौबीस की चुनौती की घबराहट का ही परिणाम है। जिसके लिए तैयारियों के मामले में कांग्रेस भाजपा से काफी पीछे है, अभी लोकसभा चुनावों में सौ से भी अधिक दिवसों का समय है और देश पर सत्तारूढ़ भाजपा ने अगले चुनाव में पचास प्रतिशत से अधिक मतदान कराने और लोकसभा की चार सौ सीटें जीतने का लक्ष्य तय करके उसकी रणनीति भी तैयार कर ली है। जबकि कांग्रेस व उसके शीर्ष नेता रणनीति पर विचार छोड़ देशव्यापी यात्रा में संलग्न है, अब चुनाव तैयारी के इस चरम समय पर मणीपुर से मुम्बई तक की बस यात्रा में एक महीनें से भी अधिक का समय व्यर्थ गंवाया जा रहा है, क्या इससे कांग्रेस का प्रतिस्पर्धी प्रचार संभव है? और इस यात्रा से क्या कांग्रेस को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है? लेकिन किया क्या जाए? यह सब अपनी-अपनी सोच पर निर्भर है।

अब यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल व उसके नेता फिर से एक बार अपने लड़कपन के दौर में आ गए है और चालीस वर्षिय सत्तारूढ़ दल वरिष्ठ की श्रेणी में दाखिल हो गया है?

वास्तव में आज देश की जो राजनीतिक चाल है वह इसी बेमैल स्पर्द्धा के कारण लड़खड़ा रही है, एक ओर सत्तारूढ़ भाजपा और उस पर काबिज अनुभवी नेता और दूसरी ओर बचकानी हरकतों में माहिर कांग्रेस व उसके गैर-अनुभवी नेता और इसी राजनीतिक स्थिति का भाजपा व उसके नेता लाभ उठा रहे है, राजनीतिक पण्डितों का यही कहना है कि यदि सही स्थिति और आगे चली तो फिर मोदी व उनकी भाजपा शासन को दीर्घजीवी होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

इसलिए यदि देश को बिना चुनौति वाले भाजपा के निरंकुश शासन से बचाना है तो अब कांग्रेस व अन्य प्रतिपक्षी दलों को पूरी तरह होश में आकर एकजुटता से चुनौति बनकर सामने आना पड़ेगा, वर्ना मोदी जी व भाजपा शासन को दीर्घजीवी बनने से रोकना होगा। इसलिए प्रतिपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस को मोदी जी या सत्तारूढ़ अन्य नेताओं के निजी जीवन में झांकने के बजाए सैद्धांतिक तरीके से आलोचना का रास्ता अख्तियार करना होगा, वर्ना फिर मोदी सरकार को दीर्घजीवी बनने से कोई नही रोक पाएगा और यह तो सर्वविदित है कि मजबूत प्रतिपक्ष विहीन सरकारें निरंकुश होने लगती है?

जलवायु : घोंघे की गति वाली

डॉ. कुशाग्र राजेंद्र

आज जब दुनिया वैश्वीकरण और संवेदनाओं से परे एआई की तरफ बढ़ रही है, तब भी खुद के बनाए जलवायु संकट के जाल में फंसे दुनियावी लोगों के लिए कोई खुशखबरी नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने लोगों की उम्मीद को बनाए रखने के लिए अब तक 28 जलवायु बैठकें (कॉप) की हैं। इनके निर्णय, प्रोटोकॉल और संकल्प के रूप में विकसित देशों के अन्यायपूर्ण रुख और दंभ के कारण दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

क्योटो प्रोटोकॉल (1997-कॉप-3), जिसमें विकसित देशों पर कार्बन उत्सर्जन कम करने का दबाव था, और दूसरा पेरिस जलवायु समझौता (2015-कॉप-21)ङ्क जो पश्चिम के अड़ियल रुख के भंवर में फंसा है। पेरिस समझौते का उद्देश्य इस सदी में वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखकर 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना है। एक तरफ साल 2023 मानव इतिहास का सबसे गर्म साल रहा वहीं दूसरी तरफ साल के आखिर में कॉप-28 की बैठक से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बैठक भी खींचतान के बीच ही खत्म हुई, जिसे हमेशा की तरह प्रभावी शब्दावली वाली रिपोर्ट की शक्ल दे दी गई। जैविक ईंधन-कोयला, तेल, गैस जैसे उत्पादों-का प्रयोग विकासशील देशों की मजबूरी है। फिर भी इस बाबत हुई बैठक के प्रस्ताव में जैविक ईंधन के प्रयोग को 2050 तक शून्य प्रयोग तक ले जाने की उम्मीद की गई है। निश्चित रूप से कॉप-28 में जैविक ईंधन से संबंधित लिया गया निर्णय दो कदम आगे चलकर चार कदम पीछे हटने जैसा है, कॉप-26 में कार्बन उत्सर्जन संबंधी पारित प्रस्ताव से मुकरना है।

फिलहाल, विकसित देश भी प्राकृतिक रूप से उपस्थित कार्बन को ग्रहित कर हस्तांतरित करने की स्थिति में नहीं हैं। कॉप-28 में 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुणा करने का जो लक्ष्य है, उसका पालन किया गया तो जलवायु संकट के बचाव के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। यदि यह संभव है तो इससे जो ऊर्जा निर्माण होगा उससे 7 अरब टन कार्बन-डाइ-ऑक्साइड वायुमंडल से कम होगी। पुनः इस प्रस्ताव में दुविधा की स्थिति भी है, ऊर्जा स्त्रोतों के प्रयोग को तीन गुना किन योजनाओं और प्रयोगों से किया जाएगा, इसका उल्लेख नदारद है। हालांकि कॉप-15 के पेरिस सम्मेलन में भी नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने की तकनीक विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को हस्तांतरित करनी थीं लेकिन इतने वर्षों के बाद भी यह ठीक ढंग से संभव नहीं हो पाया है। इस सम्मेलन में 700 अरब डॉलर का कोष बनाने का प्रस्ताव सामने आया जिसे पर्यावरण से होने वाले नुकसान की भरपाई करने में खर्च किया जाना है। यह कोष निश्चित ही भविष्य के खतरों के लिए छोटी सी आस होगी। आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय प्रदूषण और समस्याओं से ग्रस्त है लेकिन इसका सबसे बुरा असर अखेका और लैटिन अमेरिकी देशों पर पड़ा है। इन देशों में विकसित देश अपनी पूंजी के बल पर कच्चे माल का दोहन करते हैं, जिससे सिर्फ कार्बन उत्सर्जन ही नहीं होता अपितु इन देशों की पर्यावरणीय जीवन शैली पर भी प्रभाव पड़ा है। आज बाजार बने ये देश कभी युद्ध, तो कभी अकाल और बीमारी का सामना करते रहे हैं। वहां इस सदंर्भ में बड़े सहयोग की जरूरत है।

कॉप-28 में 134 देश टिकाऊ खेती, बेहतर खाद्य प्रणाली के लिए साथ आए। सबसे बड़ा विरोधाभास विकसित और विकासशील और अनिवार्य और विलासिता उत्सर्जन का है, जहां अमीर देश अपनी मर्जी की करते आए हैं। इस सदी की शुरू आत में तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने अपने देश के कार्बन उत्सर्जन के बचाव में भारतीय खान-पान को विमर्श का मुद्दा बना दिया था। इशारा धान की खेती और उससे होने वाले ग्रीन हाउस गैस मिथेन के उत्सर्जन की तरफ था। यह प्रवृत्ति जलवायु परिवर्तन के लिए ऐतिहासिक रूप से जिम्मेदार देशों द्वारा गरीब और विकासशील देशों की मूलभूत जरूरतों को उनके अपने गैर-जरूरी और विलासिता से जुड़े कार्बन उत्सर्जन के समकक्ष ला खड़ा करना है।

अब तक की जलवायु बैठकों की हकीकत का साफ-साफ अंदाजा तब के अमेरिकी राष्टंपति ट्रंप का अमेरिका को पेरिस समझौते से एकतरफा बाहर निकलने के निर्णय से लगाया जा सकता है। ऐसी बैठकों में पर्यावरणविद् और सामाजिक मानविकी के जानकारों की आवाज कमजोर होती है। ये लोग बैठक के निर्णयों पर टिप्पणी करने के अलावा कुछ ज्यादा करने की स्थिति में नहीं होते। इन बैठकों पर गौर किया जाए तो जो पर्यावरण बचाने का झंडा लेकर आगे बढ़ रहे हैं, वही धरती को बर्बाद कर रहे हैं, और अपने मुनाफे की चाह में धरती को बदतर बना रहे हैं। अब तक जलवायु और पर्यावरण से जुड़े असंख्य अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में ओजोन के मुद्दे पर मॉंट्रियल प्रोटोकॉल के रूप में एकमात्र सफलता मिली है, बाकी सभी बैठकें, समझौते घोंघे की गति वाली नकाफी साबित हो रहे हैं, जबकि जरूरत है सामूहिक प्रयासों की एक ऊंची छलांग की।

जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा मांडवी तालुका के झाब गांव में आयोजित की गई

सूरत। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणों तक पहुंचे इस उद्देश्य से सूरत जिले के मांडवी तालुका के झाब गांव के प्राथमिक विद्यालय में चविकित भारत संकल्प यात्राज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनजातीय विकास राज्य मंत्री श्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता और बारडोली सांसद श्रीभाई प्रभु वसावा की उपस्थिति में। जिसमें संकल्प यात्रा रथ का भव्य स्वागत कर विकसित भारत का संकल्प लिया गया। ग्रामीणकक्ष और जनजातीय तालुकाओं में सरकारी योजना स्टालों के माध्यम से नागरिकों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और नए लाभार्थियों के पंजीकरण के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जनजातीय विकास राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर पूरे भारत में विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की है. देश के सभी लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें, इसके लिए संकल्प यात्रा शुरू की गई है। सरकार बाहरी इलाके के गरीबों, मध्यम वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए हमेशा प्रयासरत रही है। सरकारी योजनाएं हमारे लिए ही हैं जिसका सभी ने लाभ उठाने का अनुरोध किया।

जनस्वास्थ्य को लेकर सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए जनजातीय विकास राज्य मंत्री ने कहा कि जहां लाखों लोग आयुष्यमान कार्ड के माध्यम से इलाज करा रहे हैं, वहीं राज्य सरकार ने आयुष्यमान भारत कार्ड पर कुल खर्च की राशि बढ़ाकर 10 लाख कर दी है. स्वास्थ्य सेवाएं। पहले सुदूर गांव के लोगों को बीमार पड़ने पर दवा लेने के लिए शहर जाना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ने धरांगन में स्वास्थ्य केंद्र बनाकर लोगों को खुश कर दिया है. सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि किनारे के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहे। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की मंशा से विकसित की गई भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव जा रही है. सभी लोगों ने सरकारी योजना का लाभ उठाने का अनुरोध किया.

इस अवसर पर सांसद प्रभुभाई वसावा ने कहा, भारत संकल्प यात्रा आदिवासी इलाकों में लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने का माध्यम बन गयी है. सरकार ने जनधन योजना के तहत गरीब-मध्यम वर्ग के नागरिकों के बैंक खाते खोलने और गंगास्वरूप, किसान सम्मान, छात्रवृत्ति सहायता जैसी कई वित्तीय सहायताएं बिना किसी बिचौलिए के सीधे बैंक खाते में प्रदान करने की पारदर्शी व्यवस्था बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ उनके घर-द्वार पर दिया जा रहा है और कहा कि राज्य सरकार जन-उन्मुख योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की। उपस्थित सभी लोगों ने भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष रोहितभाई पटेल, अनुदान प्रशासक निधि सिवाच. डी. पंचायत अध्यक्ष दिलीपभाई चौधरी, जिला पंचायत सदस्य गीताबेन पटेल, सत्तारूढ़ दल की नेता श्री मीनाक्षीबेन चौधरी, सरपंच संघ अध्यक्ष श्री कमलेशभाई चौधरी, मांडवी तालुक विकास अधिकारी श्री रवीन्द्रसिंह सोलंकी, मांडवी ञ।ह्व नरेंद्रभाई चौधरी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. केतनभाई सोलंकी, सरपंच श्री ललिताबेन, तलाटी-सह-मंत्री, मौके पर स्वास्थ्य कर्मी, आंगनबाडी सेविका, टेडागर, सखी मंडल की बहनो सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी, जैब प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कैंसर पर सेमिनार "एक कदम जिंदगी की ओर" का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गुरुवार को कैंसर अवेयरनेस सेमिनार फ्एक कदम जिंदगी की ओरफ्र का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के द्वारका हॉल में दोपहर तीन बजे से किया गया । सेमिनार में डा. मुकेश पाराशर, डॉ. डिम्पल चटवानी एवं डॉ. अमित गुप्ता ने आज के समय मे महिलाओ मे होने वाली सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों के विषय मे चर्चा की। इसके अंतर्गत इस बीमारी के लक्षण, कारण, उपचार, और रोकथाम के साथ प्री और पोस्ट अवेयरनेस की भी जानकारी दी गयी द्य ये सेमिनार अनेकों समाज की महिला संस्थाओं के साथ मिलकर किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा शालिनी कानोज़िया ने बताया की सेमिनार मे लगभग 300 महिलाओं के अलावा आयोजन की संयोजिका रुचिका रूंगटा, प्रीति गोयल, महिला शाखा सचिव दीपाली सिंघल, सोनिया गोयल, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा ,राखी जैन सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं ।

सूरत शहर-जिले में 108 आपातकालीन सेवाएं वर्ष 2023 में 1,22,270 लोगों के लिए जीवनरक्षक होंगी

EM Type	Surat
Abdominal Pain	18361
Allergic Reactions	140
Behavioral Problem / (Psychiatric)	251
Breathing Problem	7892
Cardiac	5348
Convulsions/(Fits)	4201
COVID-19	42
Diabetic Problem	2535
Environmental	14
High Fever	8126
Inaccessible Incident	295
Poisoning /(Toxicology)	2207
Pregnancy related	21567
Severe acute malnutrition	26
Severe Headache	621
Stroke/(Paralysis)	1208
Trauma (Non-Vehicular)	15204
Trauma (Vehicular)	16052
Unknown Problem	18180
Grand Total	122270

सूरत।

राज्य में दुर्घटना या आपदा के समय घायल-बीमार व्यक्तियों को तत्काल इलाज मुहैया कराने वाली 108 एम्बुलेंस सेवा वर्ष 2007 से शुरू की गई थी। किसी भी आपात स्थिति के दौरान जरूरतमंदों को तत्काल स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। आज यह सेवा लोगों के लिए वरदान बन गई है क्योंकि राज्य के हर कोने में मिनटों में एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है।

अगर सूरत जिले में 2023 की बात करें तो 1,22,270 लोगों के लिए जिंदगी खतरे में पड़ गई है. 108 आपातकालीन सेवा पिछले 16 वर्षों से गुजरात के लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है।

108 आपातकालीन सेवा के कार्यक्रम प्रबंधक अभिषेक ठाकर ने कहा कि 21,567 आपातकालीन मामले गर्भवती महिलाओं से संबंधित, 7,892 मामले श्वसन समस्याओं से संबंधित, 5,348 मामले हृदय रोग से संबंधित, 16,152 मामले सड़क दुर्घटना से संबंधित, 18,361 मामले पेट दर्द से संबंधित, 8,126 मामले बुखार और अन्य आपात स्थितियों की सूचना दी गई। कुल 1,22,270 आपातकालीन प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। सूरत जिले की बात करें तो अब जिले के अंदर कुल 62 108 आपातकालीन सेवाएं अपने 240 कर्मचारियों के साथ दिन-रात लोगों की सेवा में तत्पर हैं। 108 आपातकालीन सेवा सूरत 2023 लोगों के लिए एक वास्तविक जीवन रक्षक साबित हुई है। यह सेवा आने वाले वर्ष में भी लोगों को अपना योगदान देती रहेगी। प्रौद्योगिकी के माध्यम से नागरिकों को उनकी उंगलियों पर 108 आपातकालीन सेवाओं का लाभ तुरंत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा "108 गुजरात" नामक एक उन्नत मोबाइल एप्लिकेशन भी शुरू किया गया है। 108 आपातकालीन सेवाओं के डिजिटलीकरण ने भारत के सपने को साकार करने में गुजरात ने देश के लिए एक नई उम्मीद स्थापित की है।

केआरएसएफ ने कपराडा, वलसाड में वंचित और अनाथ बच्चों को शिक्षा और सार्वभौमिक विकास प्रदान करने के लिए आश्रय चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ साझेदारी की

सूरत।

गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा तालुका के भीतरी इलाके में स्थित दबखल गाँव के वंचित और अनाथ बच्चों के जीवन में सार्वभौमिक विकास और आमूल-चूल परिवर्तन लाने के लिए, डॉ. क। आर। श्रॉफ फाउंडेशन (केआरएसएफ) ने दक्षिण गुजरात स्थित अस्यारा चैरिटेबल ट्रस्ट (आश्रय) के साथ साझेदारी करके एक अनूठी पहल की है। केआरएसएफ ने आश्रय द्वारा संचालित 2 छात्रावासों में रहने वाले और गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा से लगे आदिवासी बेल्ट के दबखल गांव में पास के स्थानीय सरकारी प्राथमिक विद्यालय और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले इन बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए यह पहल की है। अपने मूल्यों के अनुरूप, केआरएसएफ पिछले 6 महीनों से इन बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों के लिए तैयार करके और पढ़ने, लिखने और गणित जैसे प्रमुख शिक्षण मापदंडों में उनके शैक्षणिक परिणामों में सुधार करके उनके जीवन को बदलने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

8 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के 42 बच्चे, जो आदिवासी परिवारों से अनाथ हैं या जिनके पास केवल एक माता-पिता की छत्रछाया है, वर्तमान में आश्रय द्वारा संचालित 2 छात्रावासों, च्अर्पणज और च्गुरुकुलज में रह रहे हैं। ये हॉस्टल गुजरात के शहरी केंद्रों की हलचल से दूर स्थित हैं, जहां उन्हें धन जुटाने और अपने संचालन को बढ़ाने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है, इसलिए इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए, केआरएसएफ ने आश्रय के साथ साझेदारी की है, ताकि यहां के बच्चे प्रदान की जा रही शिक्षा और शिक्षा में सुधार के साथ-साथ, इस संस्थान को आवश्यक धन उपलब्ध कराया जा सकता है और स्थायी आजीविका गतिविधियों को शुरू करके संस्थान को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद की जा सकती है।

यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये बच्चे केवल अपनी स्थानीय बोली ही बोल और समझ सकते हैं जो कि गुजराती और मराठी का मिश्रण है, जिसके कारण उनकी सीखने की समस्याएं अधिक गंभीर हैं और उनके लिए गुजराती भाषा में पढ़ना और लिखना बहुत मुश्किल है और गुजराती में पाठ्यपुस्तकें समझें। इन समस्याओं को हल करने के लिए केआरएसएफ ने स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया, ताकि उनके द्वारा दी जाने वाली शिक्षा और इन छात्रों के शैक्षणिक परिणामों में सुधार किया जा सके और उन्हें उनकी संबंधित कक्षाओं के पाठ्यक्रम के बराबर लाया जा सके। केआरएसएफ शिक्षक छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षा पर भरोसा करते हैं। इसके अलावा, केआरएसएफ शिक्षा प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करके नियमित मूल्यांकन और अवलोकन के माध्यम से स्कूल (स्कूलों) और छात्रावासों दोनों में छात्रों के सीखने और कौशल स्तर का लगातार आकलन करता है।

इस पहल के बारे में बात करते हुए, केआरएसएफ के अध्यक्ष श्री उदय देसाई ने कहा, 'केआरएसएफ ने बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों में काम करने वाले कई संगठनों के साथ समय-समय पर साझेदारी की है। एक दशक से अधिक समय से, केआरएसएफ गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अथक प्रयास कर रहा है। आश्रय चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ साझेदारी करके, हमारा फाउंडेशन उन दूरदराज के क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में सक्षम होगा जहां हमने पहले काम नहीं किया है और क्षेत्र में छात्रों और समुदायों की मूलभूत समस्याओं की पहचान कर सकेगा, ताकि उनके जीवन में सुधार हो सके और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया कल दिनांक 29/12/2023 को प्रातः 9.00 बजे सरदार पटेल स्मृति भवन में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित युवा संगम चरण-3 कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वित्तीय वर्ष23 में भारतपे के राजस्व में 182% की वृद्धि

सूरत।

फिनटेक के क्षेत्र में भारत की अग्रणी फर्म, भारतपे ने वित्तीय वर्ष 2023 के लिए अपने वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की, जिसमें व्यावसायिक क्षेत्रों में हुई वृद्धि और रणनीतिक प्रगति को दिखाया गया है। फिनटेक फर्म का जो रेवेन्यु वित्त वर्ष 2022 में 321 करोड़ रुपये था वह बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 904 करोड़ रुपये हो गया यानि कि ओपरेशन से रेवेन्यु में 182न की वृद्धि हुई। लॉस बिफोर टैक्स तेजी से कमी आई है, जो कि 5,594 करोड़ रुपये से गिरकर 886 करोड़ रुपये हो गई। इसके अलावा, ईबीआईटीडीए लॉस में भी लगभग 158 करोड़ रुपये की कमी आई, जो वित्तीय स्थिरता की दिशा में उठाए गए कदमों को दिखाता है।

इस उपलब्धि पर भारतपे के सीएफओ और अंतरिम सीईओ नलिन नेगी ने कहा, "हम भारतपे के इस एक और असाधारण प्रदर्शन वाले साल की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। बेहतर वित्तीय मैट्रिक्स के साथ व्यावसायिक क्षेत्रों में हमारी महत्वपूर्ण वृद्धि, हमारे व्यापारियों और हितधारकों को बेहतर मूल्य देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये परिणाम हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ हमारे मूल्यवान ग्राहकों के विश्वास और समर्थन का प्रमाण हैं।

ऋण देने में, भारतपे के मर्चेंट लेंडिंग डिवीजन में शानदार वृद्धि देखी गई, जिसमें ऋण सुविधा में 129% की वृद्धि (5,339 करोड़ रुपये तक पहुंच गई), जो व्यापारियों को सशक्त बनाने के लिए भारतपे की प्रतिबद्धता दिखाती है। भारतपे ने क्यूआर उपयोग, क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट और यूटिलिटी पेमेंट सहित इनोवेटिव रिवेन्यु स्ट्रीम्स पेश कीं, जो अपने कंस्यूमर बिज़नेस-पोस्टपे में इनोवेशन और विविधीकरण के प्रति अपने समर्पण का प्रमाण है। दूसरी ओर, स्वाइप व्यवसाय ने टीपीवी में 63% की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2023 में लगभग 8 लाख नए साउंडबॉक्स डिवाइस लगाकर भारतपे के अपनी स्थिति का विस्तार करने और वित्तीय समावेशन के साथ-साथ देश भर में डिजिटल पेमेंट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निरंतर प्रयासों को दिखाती है।

नलिन ने कहा, "इस राह में आगे बढ़ते हुए, हमारा ध्यान निरंतर लाभ, ऋण देने, पीओएस और साउंडबॉक्स बिज़नेस को बढ़ाने और नए मर्चेंट सेंट्रिक प्रोडक्ट को लॉन्च करने पर है। हम एक सस्टेनेबल व्यवसाय बनाने, वित्तीय समावेशन को बढ़ाने, अपनी साझेदारियों को बढ़ावा देने और भारतपे को देश में अग्रणी मर्चेंट-फर्स्ट फिनटेक कंपनी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

आकांक्षा पावर और इंफ्रा का IPO आज बंद हो जाएगा

नासिक।

नासिक स्थित आकांक्षा पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एपीआईएल) संस्थानों, उद्योगों और बिजली पारेषण और वितरण उपयोगिताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए विद्युत पैनल, उपकरण ट्रांसफार्मर और वैक्यूम संपर्ककर्ताओं सहित विद्युत उपकरणों के निर्माण के बी 2 बी व्यवसाय पर हावी है। गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देने वाले उत्पादों के निर्माण के लिए कंपनी के पास दो (2) विनिर्माण संयंत्र हैं। आकांक्षा की स्थापना 2008 में अपने ग्राहकों को टिकाऊ और विश्वसनीय बिजली समाधान प्रदान करने के दृष्टिकोण से की गई थी और 2008 से 2010 तक कंपनी कैपेसिटर के व्यवसाय में थी। ईपीसीओएस को इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से खरीदा गया था, जिसे अब टीडीके इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से जाना जाता है।

कंपनी ने व्यवसाय के एक नए क्षेत्र में कदम रखा है, जिसमें 33/11 केवी सबस्टेशन वितरण सबस्टेशन सहित उच्च तनाव और निम्न तनाव विद्युत बुनियादी ढांचे का टर्नकी निर्माण शामिल है और वर्तमान ट्रांसफार्मर, संभावित ट्रांसफार्मर और रेड्यूल वोल्टेज ट्रांसफार्मर जैसे नए उत्पाद भी शामिल हैं। इसमें ग्रीन फील्ड एलईडी स्ट्रीट लाइट परियोजनाओं के साथ-साथ संचालन और रखरखाव सेवाएं भी शामिल हैं। कंपनी ने वैक्यूम कॉन्टैक्टर भी लॉन्च किया और अब तकनीकी और वाणिज्यिक नुकसान के प्रभावी नियंत्रण के लिए उन्नत मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लॉन्च करने के लिए तैयार है। ऐसा माना जाता है कि यह नया विकास एक क्रांतिकारी प्रक्रिया लाएगा जिससे सभी को लाभ होगा।

कंपनी के पास वर्तमान में दो (2) विनिर्माण संयंत्र हैं। एक प्लांट प्लॉट नंबर 87/4, एमआईडीसी, सतपुर, नासिक- 422007, महाराष्ट्र, भारत में है और दूसरा एफ- 97, एमआईडीसी, सतपुर, नासिक- 422007, महाराष्ट्र, भारत में है। कंपनी की ग्राहक सूची में महाट्रांसको, एबीबी, एचएएल, ऑयल इंडिया, कोल इंडिया, सेल, नाल्को शामिल हैं।

अपनी नई पहलों को वित्तपोषित करने के लिए, कंपनी 4998000 इक्विटी शेयरों की अपनी पहली आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक हो रही है। प्रत्येक शेयर की कीमत 10 रुपये के प्राइस बैंड के साथ 52 रुपये - 55 रुपये प्रति शेयर होगी। कंपनी फंड जुटाने की योजना बना रही है. मूल्य बैंड की ऊपरी सीमा पर 27.49 करोड़। इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 27-12-23 को खुलेगा और 29-12-23 को बंद होगा। जुटाई गई धनराशि से पूंजीगत व्यय के लिए कंपनी रुपये खर्च करेगी। 5.00 करोड़ खर्च करने की योजना है। 15.00 करोड़ कार्यशील पूंजी के लिए और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)